वर्ष-11 अंक-03 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
प्रयागराज, सोमवार 03 मार्च 2025
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
आधुनिक समाचार नेटवर्क
Download From
Adhunik Samachar
11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

प्रचंड बहुमत के बावजूद फडणवीस के लिए चुनौतीपूर्ण होगा बजट सत्र

(आधुनिक समाचार सेवा)

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र में आगामी 3 से 26 मार्च के बीच विधानमंडल का बजट सत्र के शुरू हो रहा है। विपक्षी दल महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने भाजपा-शिवसेना-एनसीपी सरकार को

घेरने की रणनीति तैयार की है। प्रचंड बहुमत के साथ मुख्यमंत्री बने देवेन्द्र फडणवीस के लिए महाराष्ट्र विधान मंडल का बजट सत्र चुनौतीपूर्ण होगा। हालांकि पूर्ण बहुमत के कारण देवेंद्र फडणवीस मजबूत स्थिति में हैं, लेकिन महायुति गठबंधन के भीतर दरार और सूबे की बदलती सियासी गतिविधियों के कारण उन्हें आने वाले दिनों में कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। महाराष्ट्र में आगामी 3 से 26 मार्च के बीच विधानमंडल का बजट सत्र के शुरू हो रहा है। विपक्षी दल महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने भाजपा-शिवसेना-एनसीपी सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की है। वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ सरकार चला रहे फडणवीस के सामने उन्हें साधे रखने की भी चुनौती है। हाल के दिनों में फडणवीस और शिंदे के बीच मतभेद खुलकर सामने आएं हैं जबकि अजित पवार कई मुद्दों पर मतभेद के बावजूद सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं। फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कई बैठकों में शिंदे और पवार ने भाग नहीं लिया।सबसे ताजा उदाहरण 2027 के नासिक सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों का है जिसमें पवार और शिंदे गैरहाजिर रहे। इसके अलावा, फडणवीस ने मंत्रियों द्वारा निजी सचिवों और विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में नियुक्ति को लेकर टकराव भी है। इस वर्ष के अंत में 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव होने हैं लेकिन, तीनों सहयोगी दलों के बीच टकराव दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

गोवा पहुंचा शिवाजी के अपमान का मामला भाजपा ने लेखक की टिप्पणी का किया विरोध, विपक्षी विधायक को भी घेरा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। छत्रपति शिवाजी के अपमान का मामला गोवा भी पहुंच गया। भाजपा ने कोंकणी लेखक शनिवार को कोंकणी लेखक उदय भेंबरे से मुलाकात की थी। इसके बाद सरदेसाई ने कहा कि भाजपा गोवा में वही करना चाहती है जो

उदय भेंबरे की छत्रपति शिवाजी को लेकर की गई टिप्पणी का विरोध किया है। साथ ही विपक्ष के विधायक विजय सरदेसाई को घेरा है। भाजपा ने सवाल उठाया कि विधायक छत्रपति शिवाजी को लेकर कोंकणी लेखक उदय भेंबरे की टिप्पणी पर क्यों चुप्पी साधे हैं छत्रपति शिवाजी के अपमान का मामला गोवा भी पहुंच गया। भाजपा ने कोंकणी लेखक उदय भेंबरे की छत्रपति शिवाजी को लेकर की गई टिप्पणी का विरोध किया है। साथ ही विपक्ष के विधायक विजय सरदेसाई को घेरा है। भाजपा ने सवाल उठाया कि विधायक छत्रपति शिवाजी को लेकर कोंकणी लेखक उदय भेंबरे की टिप्पणी पर क्यों चुप्पी साधे हैं? गोवा फॉरवर्ड पार्टी के प्रमुख विजय सरदेसाई ने वह उत्तर प्रदेश में करती है। जो भी भाजपा की विचाराधारा से जुड़ा नहीं है, उसे नुकसान पहुंचाया जाता है। यह गोवा के भारतीयकरण की नई संस्कृति है और यह गलत है। कोंकणी लेखक के घर के बाहर बजरंग दल के प्रदर्शन को लेकर सरदेसाई ने कहा कि यह दादागिरी है। यह सही नहीं है। गोवा एक बनाना रिपब्लिक बन गया है। सरदेसाई ने कहा कि मैं गोवा के लोगों से अपील करता हूं कि इसे यूपी और बिहार नहीं बनाया जाए। यहां के लोग इतिहास के अध्ययन के बाद जो सोचते हैं और उसे लिखना उनका अधिकार है। भेंबरे इस मुद्दे पर खुली बहस के लिए तैयार हैं। इस पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता गिरिराज पाई वर्नेकर ने एक्स पर लिखा कि विजय सरदेसाई ने मंत्री बनते वक्त संविधान की शपथ ली थी। अब वह गोवा के भारतीयकरण को लेकर बोल रहे हैं। यह पाखंड है या शुद्ध बेशर्मी है। क्या वह छत्रपति शिवाजी महाराज और उनकी सेना द्वारा महिलाओं के अपहरण के बारे में झूठ का समर्थन करते हैं। वे मराठा राजा के खिलाफ भेंबरे के अपमान पर चुप क्यों हैं? पुर्तगाली इतिहास सरदेसाई जैसे नेताओं के लिए ईश्वर का संदेश है। वोटों के लिए वह हिंदूओं का राजनीतिकरण करना बंद करें बीते हफ्ते शिव जयंती के एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने दावा किया कि पुर्तगाल के शासन के समय, बड़ी संख्या में लोग धर्म परिवर्तन से इसलिए बच गए थे क्योंकि उस वक्त गोवा के बड़े हिस्से पर शिवाजी महाराज का शासन था, जबकि पुर्तगाल शासन महज तीन तालुका तक सिमटा हुआ था। सीएम के इस दावे को गोवा के कोंकणी लेखक उदय भेम्ब्रे ने खारिज कर दिया। उदय भेम्ब्रे ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं। लेखक के बयान से नाराजगी जाहिर करते हुए बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार शाम को दक्षिण गोवा के कुनकोलिम गांव में उदय भेम्ब्रे का पुतला फूंका। इसके बाद बजरंग दल कार्यकर्ता मारगो शहर स्थित उदय के घर पहुंचे और वहां विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उदय भेम्ब्रे घर पर ही मौजूद थे और उन्होंने बजरंग दल कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

फरवरी में गर्मी ने तोड़ा 125 साल का रिकॉर्ड, उच्चतम तापमान बढ़ा; मई तक अधिक रहेगा पारा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मासिक समीक्षा में बताया कि मार्च से मई तक भी ज्यादा गर्मी पड़ने के आसार हैं। चिंता की बात यह है कि सर्दी के महीने फरवरी में न्यूनतम तापमान में अच्छी खासी वृद्धि हुई है। 13.82 डिग्री सेल्सियस रहता है। फरवरी में उच्चतम तापमान भी 125 साल में दूसरा सबसे ज्यादा 29.07 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले फरवरी, 2023 में इससे अधिक गर्मी पड़ी थी। उस समय उच्चतम तापमान 29.44 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया

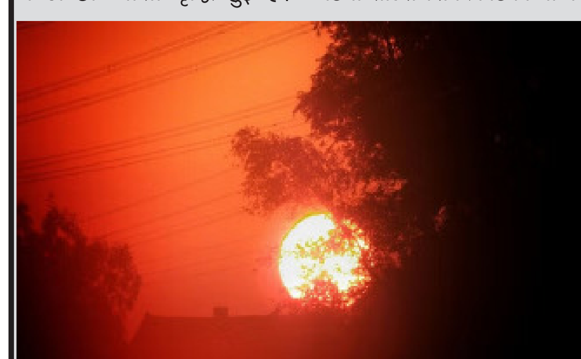

फरवरी 2025 में न्यूनतम तापमान 15.02 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 125 साल के इतिहास में सर्वाधिक है। फरवरी में गर्मी ने 125 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। देश में फरवरी 2025 का औसम तापमान 22.04 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 1.34 डिग्री अधिक है। इससे पहले 2016 में फरवरी में सामान्य से 1.29 डिग्री अधिक तापमान रिकॉर्ड किया गया था। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मासिक समीक्षा में बताया कि मार्च से मई तक भी ज्यादा गर्मी पड़ने के आसार हैं। चिंता की बात यह है कि सर्दी के महीने फरवरी में न्यूनतम तापमान में अच्छी खासी वृद्धि हुई है। फरवरी 2025 में न्यूनतम तापमान 15.02 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 125 साल के इतिहास में सर्वाधिक है। फरवरी का सामान्य न्यूनतम तापमान था।फरवरी माह में पश्चिमी विक्षोभ की संख्या अधिक होने के बावजूद बारिश कम हुई। फरवरी, 2025 में सामान्य से 50 फीसदी कम बारिश हुई, जबकि जनवरी में 67 फीसदी कम बारिश हुई। फरवरी 2025 में कुल 7 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहे, जबकि सामान्यतः 5-6 पश्चिमी विभोग होते हैं। अधिकांश पश्चिमी विक्षोभ तेज गति से आगे बढ़े और उनमें पर्याप्त नमी नहीं थी जिस वजह से हल्की बारिश व बर्फबारी हुई। केवल 24 से 28 फरवरी के बीच का विक्षोभ प्रभावशाली रहा।मौसम विभाग ने हीटवेव को देखते हुए कहा है कि बुजुर्गों, बच्चों और पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों सहित कमजोर आबादी के लिए भारी खतरा हो सकता है।

कान्हाकुंड चट्टान को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगी सरकार, आनंद महिंद्रा का जताया आभार

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने कहा कि राज्य सरकार कान्हाकुंड चट्टान को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगी। उन्होंने इस स्थल को संज्ञान में लाने के लिए आनंद महिंद्रा का भी धन्यवाद किया। और अन्य लोगों द्वारा उजागर किया जाता है। हम निश्चित रूप से उस स्थान को विकसित करेंगे और कान्हाकुंड को वैश्विक पर्यटन स्थल बनाने में आनंद महिंद्रा से परामर्श करेंगे।'उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को स्थल का मौक पर सत्यापन के लिए आदेश

ओडिशा सरकार सुंदरगढ़ जिले में इब नदी पर स्थित कान्हाकुंड चट्टान को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है। सरकार ने शनिवार को चट्टान संरचना की वास्तविक स्थिति की पुष्टि के लिए एक टीम भेजी है। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने इस स्थान के बारे में सरकार को सूचित किया था। ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने कहा कि राज्य सरकार इस स्थान को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगी। परिदा पर्यटन विभाग की प्रभारी हैं। परिदा ने कहा, 'हम इस स्थान को हमारे संज्ञान में लाने के लिए आनंद महिंद्रा को धन्यवाद करते हैं। कभी-कभी ऐसा होता है कि राज्य सरकार ऐसे स्थानों को छोड़ देती है, जिन्हें प्रकृति प्रेमियों जारी कर दिया है। वह जल्द ही पर्यटन स्थल पर पहुंचेंगे। बता दें कि कान्हाकुंड इब नदी पर एक प्राकृतिक चट्टान संरचना है। संबलपुर और राउरकेला से लगभग 130 किलोमीटर दूर सुंदरगढ़ जिले में स्थित है।महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरपर्सन आनंद महिंद्रा ने हाल ही में प्रकृति प्रेमी आर्यांश द्वारा की गई एक री-पोस्ट के माध्यम से इस अनोखे पर्यटन स्थल के बारे में ओडिशा सरकार को सूचित किया था। उन्होंने इस जगह की तीन तस्वीरें भी साझा की थीं। आनंद महिंद्रा ने 27 फरवरी को एक्स पर एक पोस्ट की, जिसमें लिखा, 'इसकी तुलना ग्रैंड कैन्यन से करने की कोई जरूरत नहीं है। यह अपने आप में अनोखा है।

तिरुमाला को नो-फ्लाई जोन घोषित करे सरकार; ऊऊउ प्रमुख बोले- भक्तों की भावनाओं का ध्यान रखें

(आधुनिक समाचार सेवा)

तिरुपति । तिरुमाला तिरुपति

देवस्थानम (टीटीडी) चेयरमैन ने केंद्र सरकार से कहा है कि तिरुमाला को नो-फ्लाई जोन घोषित किया जाए।तिरुपति का प्रबंधन देखने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने केंद्र सरकार से अपील की है कि तिरुमाला को नो फ्लाई जोन घोषित किया जाए। टीटीडी प्रमुख बीआर नायडू ने नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू से तिरुमाला को नो-फ्लाई जोन घोषित करने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया।उन्होंने कहा कि आगम शास्त्र (पवित्र ग्रंथों) के सिद्धांतों, मंदिर की पवित्रता और भक्तों की सुरक्षा और भावनाओं को ध्यान में रखते हुए तिरुमाला को नो-फ्लाई जोन घोषित किया जाना चाहिए। नायडू ने कहा, 'तिरुमाला पहाड़ी पर कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमान, हेलीकॉप्टर और अन्य हवाई गतिविधियां श्रीवारी (भगवान वेंकटेश्वर) मंदिर के आसपास के पवित्र वातावरण को बिगाड़ रही हैं।'

प्रेमिका अकेली नहीं रह पाएगी इसलिए उसे भी मार डाला

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली।आरोपी अफान ने 24 फरवरी को तिरुवनंतपुरम के उपनगर वेंजारामूडू में और उसके आसपास के तीन घरों में अपनी दादी, चाचा और चाची, 13 साल के भाई और प्रेमिका की हत्या कर दी थी। उसने अपनी मां को भी पुलिस स्टेशन गया और आत्मसमर्पण कर दिया। अफान के पिता सऊदी अरब में रहते हैं। जांच अधिकारियों ने बताया कि कर्ज को लेकर लेनदार परिवार को परेशान कर रहे थे। अफान इस बात से परेशान था कि उसकी दादी और चाचा-चाची परिवार की आर्थिक करेंगे कि वित्तीय बोझ के अलावा हत्याओं के लिए कोई अन्य कारण तो नहीं थे। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने के बाद भी अफान का व्यवहार असामान्य था। अधिकारी ने कहा, 'मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मौजूदगी में अफान से पूछताछ की जाएगी और

मारने की कोशिश की, लेकिन वह बच गई। हत्याओं को अंजाम देने के बाद 23 वर्षीय युवक वेंजारामूडू पुलिस स्टेशन गया और आत्मसमर्पण कर दिया।केरल में पांच चौंकाने वाली हत्याओं को लेकर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, 23 साल के आरोपी पर 14 लेनदारों से 65 लाख रुपये का कर्ज था। उसने पहले अपनी मां और भाई के साथ आत्महत्या करने की योजना बनाई थी। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी अफान ने हत्याओं को अंजाम देने के बाद खुद को मारने की योजना बनाई थी और उसने अपनी प्रेमिका को इसलिए मार डाला, क्योंकि उसे लगा कि वह उसके बिना नहीं रह पाएगी। दरअसल, अफान ने सोमवार को तिरुवनंतपुरम के उपनगर वेंजारामूडू में और उसके आसपास के तीन घरों में अपनी दादी, चाचा और चाची, 13 साल के भाई और प्रेमिका की हत्या कर दी थी। उसने अपनी मां को भी मारने की कोशिश की, लेकिन वह बच गई। हत्याओं को अंजाम देने के बाद 23 वर्षीय युवक वेंजारामूडू मदद नहीं कर रहे थे और जब उसे एहसास हुआ कि वे अपने कर्ज का भुगतान नहीं कर पाएगा, तो उसने अपनी मां और 13 वर्षीय भाई को अपने साथ आत्महत्या करने के लिए मनाने की कोशिश की। उसकी मां इसके लिए राजी नहीं हुई। इसके बाद अफान ने फैसला किया कि वह आत्महत्या करने से पहले अपनी मां और अपने भाई को मार देगा। अपनी मां पर हमला करने के बाद वह यह सोचकर घर से निकल गया कि वह मर चुकी है। इसके बाद वह अपनी दादी के घर गया, जहां उसने उनकी हत्या कर दी और सोने का हार चुरा लिया। इसके बाद अफान अपने चाचा-चाची के घर गया और उन्हें भी मार डाला। जब वह घर लौटा, तो उसका 13 वर्षीय भाई और प्रेमिका फरजाना वहां मौजूद थे। यहां उसने पहले अपने भाई और फिर फरजाना को मार डाला। फरजाना को उसने इसलिए मौत के घाट उतार दिया, क्योंकि उसे लगा कि वह उसके बिना अकेली रह जाएगी। पुलिस अधीक्षक केएस सुदर्शन ने कहा कि वे यह भी जांच उसकी मानसिक स्थिति की भी जांच की जाएगी। ऐसा नहीं लगता कि फरजाना से उसकी कोई दुश्मनी थी। उसने सामूहिक आत्महत्या की अपनी योजना के बारे में भी उसे नहीं बताया था।' अफान की मां शमीना ने शुरू में पुलिस को बताया कि अफान ने उस पर हमला नहीं किया था और वह अपने बिस्तर से गिर गई थी। एक अधिकारी ने बताया, 'उसे नहीं पता था कि उसके बेटे ने उस पर हमला करने के बाद क्या किया।' हत्या के बाद सऊदी अरब से लौटे उसके पति रहीम ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा कि उसे नहीं पता था कि परिवार का कर्ज बढ़कर 65 लाख रुपये हो गया है। उसे पता था कि अफान पर 15 लाख रुपये का कर्ज है, जिसमें बैंक का कर्ज और एक रिश्तेदार से लिया गया कर्ज शामिल है। पिता ने कहा कि अफान ने उस कर्ज को चुकाने के लिए लड़की के पास मौजूद सोने का हार गिरवी रख दिया था और उसने हार वापस पाने के लिए अपने बेटे को 60,000 रुपये भेजे थे।

तीन दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे पीएम, जामनगर-द्वारका और गिर में कई कार्यक्रमों में लेंगे हिस्सा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर शनिवार की शाम जामनगर पहुंचे। जामनगर, द्वारका और गिर जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।प्रधानमंत्री एक मार्च की शाम को जामनगर पहुंचें। जहां उन्होंने

यहां सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद रविवार को वह रिलायंस फाउंडेशन के पशु बचाव और पुनर्वास केंद्र वनतारा का दौरा करेंगे। अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री गिर जिले में सासन गिर नेशनल पार्क भी जाएंगे और जंगल सफारी का आनंद लेंगे। सोमवार को वह सोमनाथ महादेव मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। प्रधानमंत्री के दौरे के बारे में गुजरात के मंत्री मुलुभाई बेरा ने कहा कि सभी तैयारियां कर ली गई हैं। प्रधानमंत्री तीन दिन के दौरे के दौरान सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम किया। आज दिन में उनका जामनगर में वंतारा पशु देखभाल केंद्र का दौरा करने का कार्यक्रम है। वह जामनगर से रवाना होकर शाम को सासन पहुंचेंगे। सासन में वन विभाग के कार्यालय-सह-गेस्ट हाउस 'सिंह सदन' में पहुंचने के बाद, प्रधानमंत्री श्री सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।वहीं, 3 मार्च को प्रधानमंत्री गिर राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी का आनंद लेकर अपने दिन की शुरुआत करेंगे।

अधीर रंजन ने सीएम ममता को लिखा पत्र, कहा- कांग्रेस समर्थक शिक्षकों पर झूठे केस हटाने में हस्तक्षेप करें

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अधीर रंजन चौधरी ने सीएम ममता को लिखे पत्र में कहा कि कांग्रेस समर्थक दो शिक्षकों तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) संचालित बहरामपुर नगर पालिका द्वारा कथित तौर पर बाल शोषण के मामले में फंसाया गया था। चौधरी ने

को कथित तौर पर बाल शोषण के मामले में फंसाया गया था। चौधरी ने सीएम से दोनों शिक्षकों के खिलाफ आरोप हटाने के लिए हस्तक्षेप की मांग की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखा, जिसमें कहा गया है कि दो शिक्षकों पर झूठे मामले दर्ज किए गए हैं। दोनों शिक्षकों पर सीएम से दोनों शिक्षकों के खिलाफ आरोप हटाने के लिए हस्तक्षेप की मांग की। चौधरी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का समर्थन करने के कारण इन शिक्षकों को अत्यधिक मानसिक उत्पीड़न और वित्तीय परेशानी का सामना करना पड़ा है। दोनों शिक्षक मुर्शिदाबाद जिले के गोराबाजार में एक प्राथमिक विद्यालय से जुड़े हैं चौधरी ने यह भी बताया कि इन शिक्षकों का वेतन बिना किसी वजह के रोका गया था, जिससे उनकी रोजी-रोटी संकट में आ गई। इसके बाद उन्हें न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। महीनों चली कानूनी लड़ाई के बाद, उनके पक्ष में फैसला आया और उनका वेतन बहाल कर दिया गया।कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बहरामपुर के नगरपालिका अधिकारी इस बात को स्वीकार नहीं कर पाए कि कम वेतन पाने वाले शिक्षक न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं, इसलिए उन्होंने इन शिक्षकों पर झूठे यौन दुराचार और शोषण के आरोप लगाने की साजिश रची और उसे अंजाम दिया। चौधरी ने दोनों शिक्षकों के खिलाफ आरोप वापस लेने के लिए सीएम बनर्जी से 'हस्तक्षेप' की मांग की। बहरामपुर नगर पालिका के एक अधिकारी ने कहा कि दोनों शिक्षकों के खिलाफ शिकायत के बाद पिछले साल मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा कि नगर निकाय को कानून पर पूरा भरोसा है।

छात्रसंघ चुनाव की मांग पर जादवपुर विवि में बवाल, गुस्साए छात्रों ने शिक्षा मंत्री पर किया हमला

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर शनिवार को कोलकाता

के जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) में बवाल हो गया। चुनाव की मांग कर रहे वामपंथी छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआई) के छात्रों ने शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु और उनकी काफिले की गाड़ियों को रोका। गुस्साए छात्रों ने कारों के टायरों से हवा निकाल दी और उनमें तोडफ़ोड़ की। छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर शनिवार को कोलकाता के जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) में बवाल हो गया। चुनाव की मांग कर रहे वामपंथी छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआई) के छात्रों ने शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु और उनकी काफिले की गाड़ियों को रोका। गुस्साए छात्रों ने कारों के टायरों से हवा निकाल दी और उनमें तोडफ़ोड़ की।

मंत्री नन्दी ने पवित्र त्रिवेणी में 21 बार से ज्यादा किया स्नान

देश दुनिया से आए 54 से अधिक विशिष्ट अतिथियों का किया स्वागत

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। धर्म, अध्यात्म एवं आस्था के महासमागम महाकुंभ 2025 में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने उत्तर प्रदेश की ओर से भारत गणराज्य की राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रीगण, राज्यपाल, मंत्रीगण एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का महाकुंभ मेला क्षेत्र में स्वागत एवं अभिनन्दन किया। उनकी आगवानी की। सभी गणमान्यजनों का अतिथि के रूप में सत्कार किया। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं कर्मयोगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में आयोजित महाकुंभ की दिव्यता, भव्यता, प्रबंधन, व्यवस्थाओं और सुविधाओं की सराहना की।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में एमएसएमई विकास संस्थान द्वारा प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरण किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षुओं को एमएसएमई विकास संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम का प्रमाण पत्र यूपीएसआईए के अध्यक्ष श्री अरविंद राय के करकमलो द्वारा दिया गया इस अवसर पर एमएसएमई के सहायक निदेशक श्री एस.के.गंगल और श्री प्रेम कुमार मौजूद रहे 50 प्रशिक्षुओं को ये प्रमाणपत्र प्रदान किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक प्रदीप झा ने एवं समापन समन्वयक मोहम्मद कौसर ने किया ।

बेला कछार पार्किंग में नगर निगम ने चलाया सफाई अभियान

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज /फाफामऊ। महाकुंभ मेला समाप्त होने के बाद नगर

निगम द्वारा बेला कछार पार्किंग में सफाई अभियान चलाया गया गौरतलब है कि महाकुंभ मेले के लिए बेला कछार में पार्किंग बनाई गई थी जिसमें लखनऊ प्रतापगढ़ फैजाबाद की तरफ से आने वाली गाड़ियां खड़ी करवाई जा रही थी जिससे वहां काफी मात्रा में कूड़ा इकट्ठा हो गया था शनिवार को एक जेसीबी एक रोबोट तीन डंपर वार्डरोब ट्रैक्टर समय 100 कर्मचारियों द्वारा कूड़े को हटाया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सहायक नगर आयुक्त दीप शिखा पांडे जोनल अधिकारी जॉन 7 नवनीत संखवार तथा सफाई व खाद्य निरीक्षक शशिकांत सिंह मौजूद रहे।

एंकरिंग की दुनिया में नया नाम श्वेता श्रीवास्तव

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। महाकुंभ अपनी आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा के साथ परिपूर्ण हो चुका है जहां एक ओर देशभर के प्रशासनिक

सामाजिक एवं विभागीय कर्मचारी एवं सेवकों ने अपनी सेवा के माध्यम से इस महाकुंभ को सफल बनाया वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग, संस्कृति मंत्रालय तथा विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों ने लोक परक प्रस्तुतियां एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की नई मिसाल पेश की जिसमें देश भर के पचास हजार से अधिक कलाकारों ने अपनी विधा के माध्यम से प्रस्तुतियां देकर लोक कला की छटा बिखेरी ।इस कड़ी में प्रयागराज के यमुना पार नैनी क्षेत्र की एक ऐसी आवाज जिन्होंने अपनी भाषा शैली शब्द संयोजन एवं कुशल मंच संचालन के माध्यम से दूरदर्शन लखनऊ द्वारा आयोजित न सिर्फ स्वर परीक्षा उत्तीर्ण की अपितु पूरे महाकुंभ में महाकुंभ दर्शन जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में एंकर के रूप में प्रस्तुति देकर अपनी अनूठी पहचान बन ई नैनी क्षेत्र निवासी श्वेता श्रीवास्तव जो की ऑल इंडिया रेडियो की पंचायत घर की सूचीबद्ध कंपेयर है उन्होंने प्रसार भारती के महत्वपूर्ण कार्यक्रम महाकुंभ दर्शन में प्रस्तुति देते हुए संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित यमुना एवं सरस्वती मंच पर उद्घोषिका के रूप में पंद्रह कार्यक्रम प्रस्तुत कर महाकुंभ में अपनी सशक्त आवाज के माध्यम से सेवा की। बॉलीवुड के जाने-माने गायक शान का साक्षात्कार लेकर श्वेता काफी सुर्खियों में रही थी। श्वेता श्रीवास्तव ने महाकुंभ के दौरान आकाशवाणी प्रयागराज के कुंभ वाणी चैनल के नमस्ते प्रयागराज कार्यक्रम में संवाददाता के रूप में तथा दूरदर्शन लखनऊ के महाकुंभ दर्शन में एंकर के रूप में तथा संस्कृति विभाग द्वारा संचालित मंचों में उद्घोषिका के रूप में पहचान बनाकर प्रयागराज का मान बढ़ाया।

नाजरेथ हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग में दीक्षांत एवं दीप प्रज्वलन समारोह 2025 का भव्य आयोजन

समर्पण की भावना नर्सिंग पेशे का मूल उद्देश है -न्यायमूर्ति मंजू सिंह चौहान

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज।प्रयागराज, 02 मार्च 2025 नाजरेथ हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग, प्रयागराज में 31 वें दीक्षात समारोह और 35वें दीप प्रज्वलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह अवसर नर्सिंग छात्रा के लिए न केवल उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि सेवा और समर्पण के उनके पवित्र संकल्प का भी प्रतीक बना। इस खास मौके पर गणमान्य अतिथियों, शिक्षकगण और अभिवावकों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में माननीय श्रीमती जस्टिस मंजू रानी चौहान (इलाहाबाद हाईकोर्ट)उपस्थित रही। समारोह की अध्यक्षता कैथोलिक डायसिस ऑफ इलाहाबाद के महाधर्माध्यक्ष मोस्ट रेव लुइस मस्कारेनहास ने की। इसके अलावा कई अन्य प्रतिष्ठित अतिथि भी उपस्थित रहे जिसमें शामिल थे रेव फादर रॉयल एंथ्नी, शिक्षा निदेशक, बरेली डायसिस, माननीय रेजिनाल्ड डीसूजां विकार जनरल, इलाहाबाद डायसिस रेव, फादर विपिन डीसूजा, निदेशक नाजरेथ हॉस्पिटल रेव सिस्टर अल्वीना प्राचार्य, नाजरेथ हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग रेव, सिस्टर मोनसी नर्सिंग अधीक्षक। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना नृत्य से हुआ जिसके बाद दीप प्रज्वलन की रस्म सपन्न हुई जो ज्ञान पवित्रता और सेवा का प्रतीक है। इसके बाद 35वें बैच के छात्राओं ने नर्सिंग के इस महान कार्य के प्रति समर्पण की शपथ ग्रहण की। 31वें बैच के स्नातकों को उनके प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और उन्होने अपने जलते दीपो को दीप स्तंभ पर रखकर नर्सिंग पेशे में अपने प्रवेश का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया। समारोह के मुख्य आकर्षणों में से एक था विशेष पुरस्कार वितरण। आउटसटैंडिंग अचीवमेंट अवॉड 2025 से सुश्री दीपिका पांडेय को सम्मानित किया गया, जिन्होंने सेमी विभाग में अपनी नर्सिंग सेवा के प्रति उत्कृष्टता के साथ-साथ अपने सहयोगियों की सहायता में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।मुख्य अतिथि जस्टिस मंजू रानी चौहान ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्रा को ईमानदारी सेवा और समर्पण के मूल्यों को अपनाने की प्रेरण दी। इसके बाद, महाकुंभ समूह नृत्व और डांस जैसी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियॉ हुई, जिन्होने कार्यक्रम मे उत्साह और उमंग भर दिय कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथियों का सम्मान, धन्यवाद ज्ञापन और केक कटिंग समारोह हुआ। अंत में सभी ने राष्ट्रीय गान गाकर अपने देश के प्रति सम्मान प्रकट किया। यह भव्य आयोजन नाजरेथ हॉस्पिटल स्कूल ऑफ नर्सिंग के छात्रों और सकाय सदस्यों के कडी मेंहनत, समर्पण और सफलता का प्रतीक बना। जैसे ही स्नातक छात्र अपने नर्सिंग करियर की ओर बढे वे सेवा, करुणा और उत्कृष्टता की इस लौ आगे बढाने का संकल्प लेकर निकले।

दीप प्रज्वलन समारोह

केक कटिंग समारोह -जस्टिस मंजू सिंह चौहान ने नर्सिंग स्टूडेंट्स को अपने हाथों से केक खिलाया

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

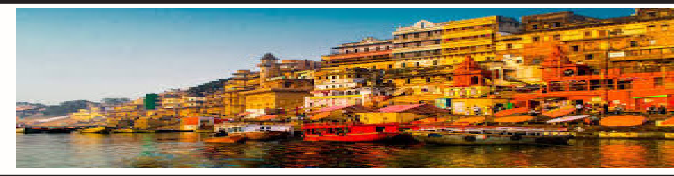

भारत

महाकुंभ नहीं पहुंच पाए तो निराश न हों, कल काशी आएगा त्रिवेणी संगम का जल, यूपी सरकार की पहल

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। जो भी भक्त भीड़ को देखकर महाकुंभ नहीं पहुंच पाए वो पाए। इसे देखते हुए अग्निशमन के चार टैंकर से संगम का जल काशी आएगा। सोमवार को संगम का जल

निराश न हों कल काशी में चार टैंकर जल लेकर आने वाले हैं इस जल से भक्तों को पुण्य मिलने वाला है महाकुंभ के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने एक और महत्वपूर्ण पहल की है। सरकार ने उन श्रद्धालुओं के लिए संगम का पवित्र जल पहुंचाने का निर्णय लिया है जो किसी कारणवश महाकुंभ में नहीं पहुंच आ सकता है।मुख्य अग्निशमन अधिकारी आनंद सिंह राजपूत ने बताया कि जल आने के बाद उच्च अधिकारियों के निर्देश पर आम जनमानस को पवित्र त्रिवेणी संगम का जल वितरित किया जाएगा। जल आने के बाद सभी को सूचित किया जाएगा कि कहां और कैसे लोगों को जल उपलब्ध होगा।

पुलिसिया घेरे से लैस होगा रफ्तार म्यूजिक शो, 500 पुलिस-सुरक्षाकर्मियों की होगी तैनाती, इंतजाम जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में आयोजित रफ्तार म्यूजिक शो के दौरान भीड़ ज्यादा होने के बाद स्टैंडअप कॉमेडियन का शो रद्द हुआ जुटने का अनुमान है। इधर इवेंट की सुरक्षा के लिए परिसर को शाम तक छावनी में तब्दील कर दिया जाएगा।इसके लिए लंका थाने की पुलिस और आईआईटी-बीएचयू के 100 सुरक्षा गार्ड, 39 प्रॉक्टर के साथ काफी हद तक फैकल्टी भी सुरक्षा और चेकिंग के लिए मैदान के इर्दगिर्द उतार दी जाएगी। व्यवस्था पूरी तरह अभेद्य होगी। वहीं लिम्बडी

जिसकी सोशल मीडिया पर खासी चर्चा है अब यहां इस कार्यक्रम को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कराई जा रही है। आईआईटी बीएचयू के टेक्नेक्स इवेंट में स्टैंडअप कॉमेडियन का शो रद्द होने के आईआईटी बीएचयू और पुलिस प्रशासन रफ्तार शो न रद्द हो इसकी तैयारियों में जुट गया है। आज शाम को फेमस रैपर रफ्तार के म्यूजिक शो में भारी संख्या में भीड़ प्रॉक्टोरियल बोर्ड की टीम ने कमर कस ली है। सुरक्षा में करीब 500 से ज्यादा पुलिस फोर्स और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सुरक्षाकर्मी शाम 4 बजे से ही तैनात हो जाएंगे। इसमें 50 सब इंस्पेक्टर, 20 महिला सब इंस्पेक्टर, 100 कॉन्स्टेबल, 50 महिला, 20 जवानों की एक पांटून पीएसी , फायर टेंडर, सादे ड्रेस में 40 आरएक्षी की ड्यूटी लगाई गई है। प्रॉक्टोरियल बोर्ड की ओर से चौराहे पर इंट्री विवाद को लेकर धरने पर उतरे आईआईटी बीएचयू के छात्रों ने धरना देर रात समाप्त कर दिया। उन्हें इंट्री के लिए अनुमति दिए जाने का आश्वासन मिला है। लंका थानाध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि इंटेलिजेंस की सूचना थी कि इवेंट में भारी भीड़ और अव्यवस्था हो सकती है, इसी के चलते सुरक्षा के लिए एहतियातन ये कदम उठाया गया है।

ट्रक ने ली दो युवकों की जान, ट्रेन से कटा युवक; इन हादसों से दहला दिल

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। बलिया के विभिन्न थाना क्षेत्र में हुए हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। बादिलपुर के पास एनएच के पास दो युवकों ने एक साथ दम तोड़ दिया। पुलिस ने लाशों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।बलिया के हल्दी थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर शाम बादिलपुर के पास एनएच-31 पर

ट्रक एवं बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौत हो गई।गड़वार थाना क्षेत्र के जनऊपुर निवासी पवन पाण्डेय (30) अपनी बहन के देवर फेफना थाना के सिंहपुर निवासी लल्लन पाण्डेय (32) के साथ बादिलपुर गांव में रिश्तेदार अमित चौबे के यहां शादी के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। बादिलपुर के आगे पहुंचे ही थे कि बैरिया की तरफ से आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। घटना में बाइक ट्रक के अंदर घुस गई। हादसे में बाइक सवार पवन एवं संतोष की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक लेकर चालक भाग गया।पवन दिल्ली में रहकर गार्ड का काम करता थे। एक माह पूर्व अपने घर मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। वहीं, सिंहपुर निवासी संतोष अहमदाबाद में टी-शर्ट कंपनी में ऑपरेटर थे। घटना की सूचना रात में ही पुलिस ने संतोष के मोबाइल से उसके घर पर दी। सूचना मिलते ही दोनों परिवार के लोग रोते बिलखते रात में ही जिला अस्पताल पहुंच गए। हल्दी थाना प्रभारी विश्वजीत सिंह ने कहा कि दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।रेलवे स्टेशन पर शनिवार की सुबह लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस की जद में आने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव की शिनाख्त के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के घघरौली निवासी सोनू कुमार (26) रेलवे स्टेशन परिसर में जनरल स्टोर की दुकान पर करीब तीन माह से मजदूरी करता था। और प्लेटफार्म पर ट्रेन रुकने पर पानी सहित अन्य खाद्य पदार्थ बेचता था। सुबह बांसडीह रोड रेलवे स्टेशन से छपरा-वाराणसी ट्रेन पर सवार होकर बलिया पहुंचा प्लेटफॉर्म नंबर दो पर लखनऊ-छपरा एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट आने से दो हिस्सों में कट गया। जीआरपी ने उसे ट्रेन के नीचे से निकाल कर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां मौत हो गई। जीआरपी प्रभारी विवेकानंद ने बताया कि ट्रेन पर चढ़ने के दौरान पैर फिसलने से ट्रेन के नीचे आ गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। कोतवाली क्षेत्र के देवाडीह चट्टी के समीप शुक्रवार की देर रात मनियर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार मैजिक बाइक से टकरा गई। इसमें नीरज पटेल पुत्र स्व. लल्लन पटेल निवासी रेवती वार्ड चार गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।रेवती थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी नीरज पटेल पुरुषोत्तम पट्टी मजदूरी कर बाइक से घर आ रहा था। अभी कोतवाली क्षेत्र के देवाडीह चट्टी के पास थे कि तेज रफ्तार मैजिक ने टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर की आवाज सुन आसपास के लोगों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांसडीह पहुंचाया, जहां स्थिति गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान मौत हो गई।नीरज पटेल की तीन वर्षीय पुत्री लक्ष्मी और एक वर्ष का पुत्र है।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत कैथवली स्थित सेंट्रल बैंक के सामने बांसडीह-बेरूआरबारी मुख्य मार्ग पर बांसडीह की तरफ से आ रही पिकअप ने मोटरसाइकिल सवार को पीछे से टक्कर मार दी। इससे असगरी खातून (55) पत्नी मोहम्मद कयूम निवासी लालगंज बैरिया की मौत हो गई। हादसे में रिश्तेदार रबुल हाशमी को हल्की चोट आई थी। स्वास्थ्य केंद्र ले जाने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया।

भ्रष्टाचार ; खोदाई नहीं की मिट्टी के ऊपर डाल दी पाइप, आराजी लाइन सीवर व्यवस्था को लेकर सवाल

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। आराजीलाइन में सीवर पाइप डालने का काम किया गया। ग्रामीणों ने शिकायत की बिना कुछ खोदे ही पाइप डाल दी जिसके बाद सवाल खड़े होने लगे हैं और मामले की जांच के निर्देश दिए जा चुके हैं। विकासखंड आराजी लाइन की ग्राम पंचायत सजोई में 11 लाख की लागत से सीवर लाइन बिछाई गई। इसमें सरकारी रुपयों का जितना बंदरबांट हो सकता था, उतना किया गया। ब्लॉक के अफसरों की जिम्मेदारी थी कि निर्माण कार्य पर नजर रखें लेकिन उन्होंने भी ध्यान नहीं दिया। डीएम के आदेश पर हुई जांच में अब इसकी पोल खुली है कि न कंक्रीट डाली गई और न ही पर्याप्त खोदाई का काम किया गया। पाइप मिट्टी के ऊपर ही दिखाई दे रहा है। 23 जनवरी को गांव के रवि कुमार मिश्रा, दीपक कुमार राय, अजय कुमार राय, सर्वेश मिश्रा ने डीएम एस राजलिंगम से शिकायत की थी।कहा था कि गांव में बिछाई गई सीवर में भ्रष्टाचार हुआ है। नियमों का पालन नहीं हुआ है। डीएम के आदेश पर लघु सिंचाई विभाग को जांच सौंपी गई। अवर अभियंता वंश राज ने जांच पूरी कर छह फरवरी को डीएम को सौंप दी। उन्होंने बताया कि निर्माण में मानकों की अनदेखी की गई है।गुणवत्ता की कमी है। शिकायतकर्ताओं ने ठेकेदार और धांधली में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आईसीसी क्रिकेट ट्राफी में भारतीय टीम की विजय के लिए प्रार्थना, मां गंगा की शरण में समर्थक

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के लिए वाराणसी में तिंरगा थामे खिलाड़ियों की तस्वीरों के साथ भारत माता की जय जयकार की गूंज हुई।मां गंगा की

प्रार्थनाओं का दौर जारी है। नमामि गंगे गंगा विचार मंच महानगर टीम ने हाथों में तिरंगा लेकर प्रार्थना की।रविवार को नमामि गंगे गंगा विचार मंच महानगर टीम ने गंगा किनारे भारतीय क्रिकेट टीम के विजय की कामना की।मंच के जिला संयोजक शिवम अग्रहरि के नेतृत्व में गंगातट पर हाथों में राष्ट्रीय ध्वज आरती उतारी गयी।श्री काशीविश्वनाथाष्टकं के उच्चारण के साथ महादेव के विशाल शिवलिंग पर गाय के दुग्ध से अभिषेक किया गया।कार्यक्रम में शामिल उत्साही युवाओं ने बैट-बॉल और स्टंप लिए खूब जोश भरा।बच्चों और महिलाओं ने भी भागीदारी की। इस दौरान बड़ी संख्या में क्रिकेटप्रेमी मौजूद थे।

शादी समारोह में हंगामा, शराबियों ने डीजे संचालक से की मारपीट

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। शादी समारोह में हंगामा हो गया। शराबी युवकों ने डीजे संचालक से मारपीट की और सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पड़ताल शुरू कर दी है। नगर कोतवाली क्षेत्र के पुरानी सब्जी मंडी के समीप मारवाड़ी धर्मशाला में शनिवार की रात डीजे चला रहे युवक की शराबियों से मारपीट हो गई। सूचना के बाद मौके पर पुलिस फोर्स पहुंच गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। जानकारी के अनुसार शनिवार को नगर के मारवाड़ी धर्मशाला में कटरा मुहल्ला निवासी एक व्यक्ति की बेटी की शादी थी। कार्यक्रम के दौरान लोग बारातियों के आवाभगत में जुटे थे। तभी कुछ बाराती नशे में धुत होकर पहुंचे उन्होंने डीजे पर गाना बजा रहे युवक को अपनी पसंद का गाना बजाने के लिए कहा।डीजे संचालक ने जब गाना बजाने में आनाकानी करने लगा तो उक्त नशे में धुत युवक आपे से बाहर हो गए। इसके बाद डीजे संचालक और शराबियों के बीच मारपीट हो गई। मारपीट होते देख धर्मशाला के अंदर मौजूद लोगों ने धर्मशाला के मुख्य गेट को बंद कर दिया। किसी ने घटना की सूचना 112 नंबर और नगर कोतवाली को दी।

बीएचयू में 5 साल बाद 3 मार्च से शुरू होगा स्पंदन, 40 इवेंट में 2000 छात्र, 500 शिक्षक जुटेंगे

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी।बीएचयू परिसर में इन दिनों सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी चल रही है। पांच साल बाद तीन मार्च से स्पंदन कार्यक्रम शुरू होने वाला है। इस बार छात्रों के साथ शिक्षकों में उत्साह है। बीएचयू में अतिथि बनाया गया है। स्पंदन के संयोजक प्रो. बीसी कापड़ी ने कहा कि 2500 छात्र और छात्राओं के साथ ही इसमें करीब 500 शिक्षक भी इस आयोजन से जुड़ेंगे।स्पंदन की मीडिया समिति के प्रमुख प्रो. अनुराग दवे ने बताया कि स्पंदन

5 साल के बाद कल से इंटर फैकल्टी कल्चरल युवा महोत्सव स्पंदन का आयोजन शुरू होगा। 3 से 6 मार्च तक कुल चार दिन 11 मंच पर 40 प्रतियोगिताएं होंगी। बीएचयू के छात्र अधिष्ठाता कार्यालय में प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी गई। छात्र अधिष्ठाता प्रो. अनुपम कुमार नेमा ने कहा कि कल शाम 5 बजे एंफीथिएटर ग्राउंड में इवेंट की शुरुआत हो जाएगी।वहीं मुख्य कार्यक्रम दोपहर 2 बजे से ही शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की पुरातन छात्रा और शास्त्रीय गायिका पद्मश्री से सम्मानित डॉ. सोमा घोष को मुख्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की ऊर्जा और उत्साह का महोत्सव है। युवा महोत्सव में संगीत, नृत्य, साहित्यिक, नाटक और ललित कला समेत विभिन्न वर्गों की विविध प्रतियोगिताओं में विद्यार्थी अपना हुनर दिखाएंगे। इवेंट डॉ. ओंकार नाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, केएन उडुपा प्रेक्षागृह, स्वतंत्रता भवन, महामना हॉल सेमिनार कॉम्प्लेक्स (विज्ञान संस्थान), एग्जीबिशन हॉल दृश्य कला संकाय, डॉ. कर्ण सिंह हॉल शारीरिक शिक्षा, मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र, मालवीय भवन, कृषि शताब्दी भवन और संकाय लाउंज विधि संकाय में आयोजित होंगे।

सोनभद्र, मिर्जापुर

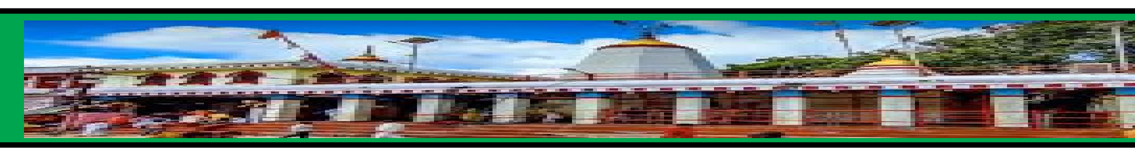

बीजेपी सरकार हवा में विकास करने का कार्य कर रही है: प्रदेश अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित समाजवादी पार्टी के नेता प्रदेश

महासचिव लोहिया वाहिनी मन्नू पांडेय के निवास पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल लाल द्वारा शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया गया वि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के दिशा निर्देश पर शनिवार को जनपद सोनभद्र पीडीए जन चौपाल के माध्यम से संविधान बचाने व डबल इंजन की सरकार के विकास को लेकर आम जनमानस को बताने और खोखली सरकार के खोखले वादों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है उसी क्रम में श्री पाल ने बताया कि हवा हवाई विकास करने का दावा कर रही भाजपा सरकार की पोल खोलने को लेकर चौपाल के माध्यम से लोगों के बीच पहुंचने का काम समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता पदाधिकारी कर रहे हैं इस मौके पर सांसद छोटेलाल खरवार समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव,पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, रमेश चंद दुबे, संजय यादव विजय यादव मन्नू पान्डेय अनिल प्रधान अशोक सिंह पटेल,सुनील कुमार गोड, शहिद कुरेशी सहित आदि लोग मौजूद।

धन्वंतरी पतंजलि योग संस्थान के लोगो ने सफाई कर्मियों में जूता वितरण - योग गुरु आचार्य अजय पाठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र,ओबरा। धन्वंतरी पतंजलि योग संस्थान के ट्रस्टियो द्वारा

ओबरा बाजार में नगर पंचायत में कार्यरत सफ़ाई कर्मियों को सेफ्टी शूज़ वितरण किया गया । धन्वंतरी पतंजलि योग संस्थान के ट्रस्टी संकट मोचन झा व आशुतोष पाठक ने कहा कि नगर में स्वछता में मजदूरों का बहुत बड़ा योगदान रहता है , अभी दुनिया की सबसे बड़ी वैश्विक माहवारी कोरोना हो या हाल में ही बीते प्रयागराज महाकुम्भ में मजदूरों द्वारा स्वच्छ्ता पर विशेष कार्य अति सराहनीय रहा,वैसे ही हमारे नगर ओबरा में स्वच्छ्ता पर मजदूरों का कार्य बहुत सराहनीय रहता है, सुबह से यह मजदुर ठिठुरती ठंड हो या प्रचंड गर्मी ,बरसात का मौसम हो ओबरा नगर में नियमित सफाई का कार्य करते है उन जरूरतमन्दों को जूता (सेफ्टी शूज) वितरण किया गया जो कि संस्थान का छोटा सा प्रयास था और धन्वंतरी पतंजलि योग संस्थान भविष्य में सभी मजदूरो,गरीब ,असहाय को यथा सामर्थ्यानुसार जरूरतमंदों की मदत करने के लिए सदैव तत्पर रहेगी । कार्यक्रम में धन्वंतरी पतंजलि योग संस्थान के संस्थापक सदस्य योग गुरु आचार्य अजय कुमार पाठक भी उपस्थित रहे ।

यज्ञ करने से तीन ऋण से मुक्ति तत्काल हो जाती है:आचार्य सौरभ भारद्वाज

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। रावटसगंज ब्लॉक के ममुआं गांव में आयोजित श्री

अभिषेकात्मक रुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा प्रवचन के पंचम दिवस में यज्ञ संचालन करता आचार्य सौरभ भारद्वाज ने बताया कि श्री राम कथा जीवन में सबसे उपयोगी है हर मनुष्य योनि में आए हुए लोगों के लिए चार ऋण है, प्रथम देवऋण, ऋषिऋण, पितृऋण, सबसे श्रेष्ठ मातृऋण, अर्थात यज्ञ करने से तीन ऋण से मुक्ति तत्काल हो जाती है जैसे श्री वशिष्ठ जी ने राजा दशरथ को समझाया था श्री अयोध्या धाम में वशिष्ठ ने भक्ति के साथ प्रेम के साथ अग्नि देवता को आहुति दिया अपने शिष्य यजमान के कल्याण के लिए अर्थात गुरु आचार्य ब्राह्मण जब समाज में कुरीतियां ज्यादा बढ़ जाए तो केवल यज्ञ करना ही समाज के लिए प्रेरणादायक रहेगा श्री राम कथा में पधारे श्री मानस राजहंस तुलसी किंकर जी महाराज ने श्री राम कथा में उपदेश देते हुए बताया कि यज्ञ में जिस प्रकार यजमान का भाव रहता है इस प्रकार यजमान व ग्राम वासियों का कल्याण होता है यज्ञ के यजमान हेमनाथ देव पांडे प्रतिदिन का यज्ञ भूमि का पूजन एवं आचार्य पूजन कर रहे हैं इसी को धर्म कहते हैं जिससे पूरे से क्षेत्र वासियों को लाभ प्राप्त होगा यज्ञ के आचार्य नागेंद्र नाथ मिश्रा एवं यज्ञ करता पंडित दीपेंद्र देव विद्यार्थी ने कहा इस यज्ञ से गांव में विशेष उत्साह है और सभी लोगों को भगवान की कथा से शिक्षा प्राप्त हो रही है इस शुभ अवसर पर पंडित धीरज शास्त्री रोशन शास्त्री विनय चतुर्वेदी आदि लोग मौजूद रहे।

बीजेपी सरकार हवा में विकास करने का कार्य कर रही है: प्रदेश अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित समाजवादी पार्टी के नेता प्रदेश

महासचिव लोहिया वाहिनी मन्नू पांडेय के निवास पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल लाल द्वारा शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया गया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के दिशा निर्देश पर शनिवार को जनपद सोनभद्र पीडीए जन चौपाल के माध्यम से संविधान बचाने व डबल इंजन की सरकार के विकास को लेकर आम जनमानस को बताने और खोखली सरकार के खोखले वादों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है उसी क्रम में श्री पाल ने बताया कि हवा हवाई विकास करने का दावा कर रही भाजपा सरकार की पोल खोलने को लेकर चौपाल के माध्यम से लोगों के बीच पहुंचने का काम समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता पदाधिकारी कर रहे हैं इस मौके पर सांसद छोटेलाल खरवार समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव,पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, रमेश चंद दुबे, संजय यादव विजय यादव मन्नू पान्डेय अनिल प्रधान अशोक सिंह पटेल,सुनील कुमार गोड, शहिद कुरेशी सहित आदि लोग मौजूद।

द्वितीय विश्व युद्ध के पिपरी स्थित रिहंद कॉलोनी परिसर में आवंटित भूमि का

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। द्वितीय विश्वयुद्ध के सैनिक स्व केदारनाथ दुबे के पुत्र को रिहंद कॉलोनी सिविल अनुरक्षण खंड के अधिशासी अभियंता वाई डी शर्मा ने नोटिस जारी कर आवंटित भूमि से अतिक्रमण हटाने व जुर्माना जमा करने को कहा था। बीते साल 24 फरवरी 2021 को वादी जनार्दन केशव दुबे द्वारा बीते साल रीस्टोरेशन दाखिल किया गया था। जिसके फल स्वरुप 10 दिसंबर 2021 को दुद्धी एसडीएम रमेश कुमार द्वारा केस को खारिज कर दिया गया। जनार्दन केशव दुबे का कहना है कि यह प्लाट उनके पिता स्वर्गीय केदारनाथ दुबे की पत्नी सावित्री देवी के नाम 8 दिसंबर 1969

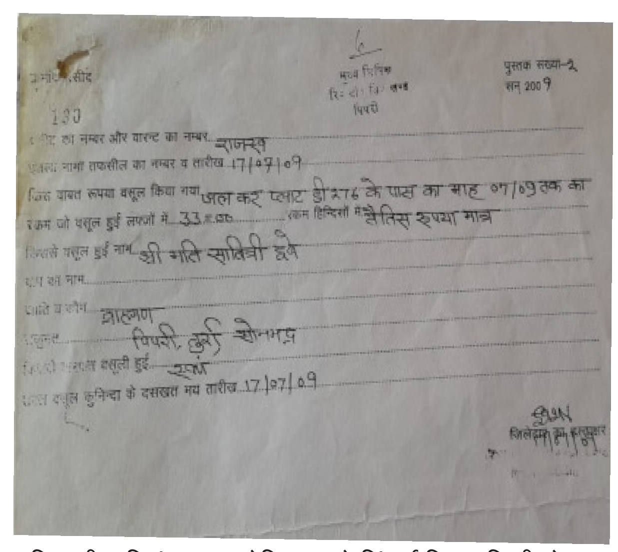
प्रमाणक सीद
मुख्य सिविल ... पिपरी
पुस्तक संख्या-2 सन 2009
130
... का नम्बर और वारन्ट का नम्बर राजस्व
... तफसील का नम्बर व तारीख 17/07/09
जिस बाबत रूपया वसूल किया गया जल कर प्लाट डी 276 के पास का माह 07/09 तक का
रकम जो वसूल हुई लफ्जों में 33.00 ... हिन्दिसों में तैंतिस रुपया मात्र
जिससे वसूल हुई नाम श्री मति सावित्री दुबे
ब्राह्मण
पिपरी तुर्रा सोनभद्र
नकद
... वसूल कुनिन्दा के दसखत मय तारीख 17/07/09

अधिशासी अभियंता द्वारा नोटिस भेजकर अतिक्रमण हटाने व 1049400 रुपए पैनल रेंट जमा करने को कहा था। अधिशासी अभियंता की नोटिस मिलने के बाद सैनिक की 92 वर्षीय पत्नी सावित्री देवी के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा व उनकी तबीयत पांच से छह महीने तक अस्वस्थ रही और उनके दिमाग पर काफी सदमा पहुंचा । और तब को सिंचाई विभाग पिपरी के द्वारा आवंटित किया गया था। सैनिक के पुत्र जनार्दन केशव दुबे का कहना है कि प्लाट आवंटित 8 दिसंबर 1969 को हुआ था और जिसका उन्होंने 2009 को 16835 रूपए बतौर किराए की धनराशि जमा की है। बावजूद इसके अवैध अतिक्रमण की रिपोर्ट बना कर विभाग द्वारा एक जनवरी 1999 से बनाकर 24 फरवरी 2020 को नोटिस जारी कर दी गई। क्या कहना है इनका जनार्दन दुबे ने बताया कि 2006 में विभाग के अधिवक्ता नंदलाल द्वारा उनसे ?6000 लिए थे और यह कहा था कि आप का तो अलॉटमेंट है और आप बेफिक्र होकर रहिए बाकी हम सब संभाल लेंगे। जिस पर बीते दिनों एसडीएम रमेश कुमार द्वारा एकतरफा फैसला ले लिया गया और केस खारिज कर दिया गया। जनार्दन दुबे ने यह भी बताया कि बार-बार उनकी बातों को सुनते हुए भी विभाग और एसडीएम साहब द्वारा कोई भी उचित न्याय नहीं मिला। उनको ऐसा लगता है कि कोई साजिश वस या रंजिश वस? हमको बेवजह परेशान किया जा रहा है।और उन्होंने बताया कि पूरे तुर्रा व पिपरी में अवैध रूप से व बिना अलॉटमेंट के 30,000 से अधिक लोग निवास कर रहे हैं जिस पर विभाग व एसडीएम रमेश कुमार द्वारा कोई उचित कार्रवाई नहीं की जा रही है। भूमि आवंटित है यह शब्द कह कर कोर्ट में बोला गया था फिर भी एसडीएम साहब द्वारा सुना भी गया और उन्होंने कहा भी कि यह तो आपके साथ गलत हुआ है लेकिन फिर भी यह सुनकर भी उन्होंने कोई उचित कार्रवाई नहीं की। एक तरफा फैसला दे दिया। वादी का कहना है कि उनको बेवजह व रंजिश वश परेशान किया जा रहा है। जिसकी शिकायत उन्होंने सीएम पोर्टल पर भी की है।

कौरवों ने छल से किया वीर अभिमन्यु का वध

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। नगर के राममलीला मैदान में चल रहे नौ दिवसीय

रासलीला के चौथे दिन वीर अभिमन्यु के शौर्य पराक्रम की लीला का सुंदर मंचन किया गया। जिसे देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। बतादें कि स्वामी दाऊद दयाल उपाध्याय की रासलीला मडंली के द्वारा रासलीला, रासविहार,मयूर नृत्य, वीर अभिमन्यु वध, जयद्रथ वध का मंचन किया गया। रास विहार मयूर नृत्य देख कर दर्शक भक्ति विभोर हो गये। रात में खेली गई रासलीला के मंचन मे पांडवों और कौरवो का युद्ध दिखाया गया। युद्ध के दौरान अर्जुन की अनुपस्थिति में कौरवों ने चक्रवयूह की रचना की। कौरवो को मालूम था कि पांडवों की सेना मे अर्जुन के अतिरिक्त चक्र व्यूह तोड़ना किसी को नही आता है। च्रकव्यहू की सूचना मिलते ही पाडंवों की सेना में खलभली मच गई कि कौन योद्धा च्रकव्यूह को तोड़ेगा। युद्ध में अभिमन्यु धीरे धीरे विजय की तरफ बढ़ रहा था कि सातों महारथियो ने अभिमन्यु का छल कपट से वध कर दिया। इस अवसर पर समिति के जितेंद्र सिंह, कृषमुरारी गुप्ता, राम प्रसाद यादव, सचिन गुप्ता, धीरज जालान, सत्येंद्र पांडेय, रविंद्र केशरी, दीपक केसरवानी, बृजेश शुक्ला, प्रशांत जैन, मखंच्चु, अमित जायसवाल, विपिन श्रीवास्तव, अनुपम त्रिपाठी, आशुतोष पांडेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कानून व्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही खाकी कर रही रिश्तों को भी मजबूत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र।अशोक कुमार मीणा,

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जनपद में ङ्कमिशन शक्तिङ्ग नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में रविवार को महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना, सविता सरोज मय टीम द्वारा महिला थाना रॉबर्ट्सगंज में पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संबंध में 15 वैवाहिक जोड़ों की काउंसलिंग की गयी जिसमें से 11 जोड़ा पति-पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति-पत्नी राजी-खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए । इसके अतिरिक्त 4 प्रकरण में अग्रिम तिथि नियत की गई । काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति-पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह-समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया गया जिससे दोनों जोड़े हंसी-खुशी साथ मे रहने हेतु तैयार हो गये जिसपर पुलिस द्वारा उन्हें उनके आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई ।

अभियान को घर-घर तक पहुंचाने की योजना बनाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
म्योरपुर। रोजगार अधिकार अभियान के तत्वावधान में रासपहरी में बैठक हुई। इसमें रोजगार अधिकार अभियान को घर-घर तक पहुंचाने की योजना बनाई गई।वक्ताओं ने कहा कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार जनपद का ऋण जमा अनुपात बेहद खराब है। यहां आम जनता की बैंकों में जमा पूंजी का दो तिहाई हिस्सा दूसरे प्रदेशों में जा रहा है। इसके कारण इस क्षेत्र में गरीबी, कुपोषण और बेरोजगारी है। इस पैसे में से स्टार्टअप के लिए नौजवानों को 10 लाख तक अनुदान देने, महिला स्वयं सहायता समूहों को ब्याज मुक्त ऋण देने, खेती-किसानी, लघु कुटीर उद्योग पर खर्च करने पर यहां पर रोजगार का सृजन हो सकता है। वक्ताओं ने कहा कि प्रदूषित पानी पीने के कारण लोगों की जान पर खतरा रहता है। सरकारी अस्पतालों का हाल ठीक नहीं है। सरकारी अस्पतालों में बेहतर इलाज, जांच और दवा की सुविधा, विशेषज्ञ डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति, मोबाइल चिकित्सालय चलाने, तीन गांवों के बीच एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की मांग को भी अभियान में उठाया जाएगा।संचालन युवा मंच की जिला संयोजक सविता गोंड किया। इस मौके पर युवा मंच की जिलाध्यक्ष रूबी सिंह गोंड, राजकुमारी गोंड, एआईपीएफ के जिला संयोजक कृपा शंकर पनिका, जुगनू सिंह, विजय पनिका आदि रहे।

रोजगार अभियान

संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर सुनी गयी फरियादियों की समस्याए

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र।संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक

कुमार मीणा द्वारा संयुक्त रूप से तहसील ओबरा पर जन शिकायतों को सुना गया तथा तहसील दिवस के अवसर पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया । साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके । इस मौके पर एसडीएम ओबरा, क्षेत्राधिकारी ओबरा सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे । इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारु द्विवेदी द्वारा तहसील सदर पर जन समस्याओं को सुनकर निस्तारण किया गया ।

कॉलेज में ईपेंस एक सप्ताहीय लघु अवधि पाठ्यक्रम का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र।राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र में ईपेंस (ईंघ्ए) एक सप्ताहीय लघु अवधि पाठ्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कॉलेज के निदेशक

प्रो. जी.एस. तोमर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी प्रगति से अवगत कराना है। मुख्य अतिथि प्रो. डी.के. यादव (कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग, एमएनएनआईटी, प्रयागराज) ने तकनीकी अनुसंधान में नवाचार पर जोर दिया। संरक्षक व निदेशक प्रो. जी.एस. तोमर ने आधुनिक तकनीकी कौशल की आवश्यकता पर बल दिया। संयोजक डॉ. अमोद कुमार तिवारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर डॉ. डी.के. त्रिपाठी और डॉ. हिमांशु कटियारकी भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमोद कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में हुआ और इसका सफल आयोजन डॉ. मनेजर यादव, डॉ. अनुराग सेवक, कल्पना सिंह और आशीष रंजन मिश्रा के नेतृत्व में किया गया। इसके उपरांत, प्रो. डी.के. यादव और डॉ. दिनेश सिंह ने विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रो. डी.के. यादव ने ठरीइंफोर्समेंट लर्निंगठ पर व्याख्यान दिया, जबकि डॉ. दिनेश सिंह ने ठमशीन लर्निंग आधारित एंटी-फिशिंग तकनीकठ पर चर्चा की। यह कार्यक्रम शोध और शिक्षा में नए दृष्टिकोण स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फ्लोराइड पीड़ितों की सुध लेने पहुंचे डीएम पाइप से पानी पहुंचने तक टैंकर से आपूर्ति के निर्देश; ली जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सोनभद्र। फ्लोराइड युक्त पानी पीकर बीमार हो रहे लोगों को हाल जानने रविवार को जिले का प्रशासनिक

अमला पड़रक्ष पहुंचा। गांव के अलग-अलग टोलों और घरों में जाकर डीएम ने बीमार लोगों की पीड़ा सुनी। पानी की जांच भी कराई। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पडरक्ष सहित फ्लोराइड प्रभावित सभी गांवों में प्राथमिकता से नल से जल पहुंचाएं और ज़ब तक यह कार्य पूरा नहीं होता, प्रभावित बस्तियों में नियमित टैंकर से शुद्ध पानी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सीएमओ को गांव में कैम्प लगाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कराने और दवा-उपचार की व्यवस्था के भी निर्देश दिए।सोनभद्र के 276 गांवों में ग्रामीणों के फ्लोराइड युक्त पानी पीकर बीमार होने का मुद्दा अमर उजाला ने प्रमुखता से उठाया था। शुद्ध पानी के बिना लोगों की दुश्वारियां भी बताई थी। इसके बाद मामला प्रदेश स्तर पर सुर्खियों में छाया तो दो मार्च को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी इसके जरिए प्रदेश सरकार पर निशाना साधा।

स्पोर्ट्स

पाकिस्तान में 29 साल बाद खेला जाएगा कोई आईसीसी टूर्नामेंट, 'मिनी विश्व कप' चैंपियंस ट्रॉफी का आज से आगाज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। भारत के सभी मैच दुबई में होंगे जबकि बाकी टीमें पाकिस्तान में खेलेंगी। दिया थापाकिस्तान में इस टूर्नामेंट के आयोजन में कई परेशानियां आईं। वनडे क्रिकेट की प्रासंगिकता पर चल रही बहस के बीच इस टूर्नामेंट की अहमियत को स्थापित करना भी एक चुनौती थी। टी-20 में भारत को फाइनल में हराकर खिताब जीता था। पहले मैच में पाकिस्तान की टीम न्यूजीलैंड से खेलेगी जबकि 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत होनी है। इस मैच में सरहद के आर-पार

पाकिस्तान में 1996 विश्व कप के बाद पहला आईसीसी टूर्नामेंट हो रहा है। भारत ने सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था।चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत आज से होने जा रही है। आठ साल बाद इस टूर्नामेंट की वापसी हो रही है। पिछली बार यह टूर्नामेंट 2017 में खेला गया था, जब पाकिस्तान भारत को हराकर चैंपियन बना था। गत विजेता पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में बुधवार को उद्घाटन मैच के साथ ही इसका आगाज हो जाएगा।चैंपियंस ट्रॉफी के शुरू होने से पहले ही इसको लेकर अनिश्चितता, नाटकीयता और पर्दे के पीछे की सरगर्मियां को देखा जा चुका है। 'मिनी विश्व कप' के नाम से मशहूर इस टूर्नामेंट में आठ टीमें खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी और अपने क्रिकेट इतिहास का सुनहरा अध्याय लिखने की कोशिश में होंगी। भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। भारत के सभी मैच दुबई में होंगे जबकि बाकी टीमें पाकिस्तान में खेलेंगी। पाकिस्तान में 1996 विश्व कप के बाद पहला आईसीसी टूर्नामेंट हो रहा है। भारत ने सुरक्षा कारणों के चलते पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर क्रिकेट की लोकप्रियता और टेस्ट प्रारूप के लिए प्रतिबद्धता की जद्दोजहद में कहीं न कहीं इसके लिए जगह बनाना विकट था शायद ही किसी क्रिकेट आयोजन में इतना भू राजनीतिक तनाव, दो अहम प्रतिभागियों के दो प्रशासनिक बोर्ड (भारत और पाकिस्तान) की जिद और मेजबान स्टेडियमों की तैयारियों को लेकर आशंकाएं देखने को मिली हों। इससे नब्बे के दशक की यादें ताजा हो गई जब उपमहाद्वीप में क्रिकेट का आयोजन आनन-फानन में की गई किसी पार्टी की तरह लगता था। एक बार जब पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के कप्तान पहले मैच के टॉस के लिए उतरेंगे तो मैदान से बाहर की ये सारी बातें हाशिए पर चली जाएंगी।आईसीसी ने कहा कि दर्शकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए 36 कैमरों का इस्तेमाल होगा। घूमता हुआ कैमरा जमीनी स्तर के दृश्य दिखाएगा।उम्मीद की जा रही है कि कप्तान रोहित और विराट कोहली का यह अंतिम वनडे टूर्नामेंट हो सकता है। उनका कॅरिअर आखिरी पड़ाव पर है और जीत वे साथ विदा लेना चाहेंगे। वहीं, भारतीय टीम ने भी महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद कोई वनडे खिताब नहीं जीता है पाकिस्तान ने पिछली बार 2017 जज्बात उमड़ेंगे तो सोशल मीडिया भी किसी अखाड़े से कम नहीं दिखेगा। पाकिस्तान टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने उद्घाटन मैच से पहले कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम सभी को चैंपियंस ट्रॉफी का आनंद लेना चाहिए क्योंकि लंबे समय के बाद हम पाकिस्तान में इतनी बड़ी प्रतियोगिता का आयोजन कर रहे हैं।इंग्लैंड के कुछ प्रमुख खिलाड़ियों पर बढ़ती उम्र और खराब फॉर्म हावी है। लेकिन बटलर, रूट और लियाम से एक आखिरी बार उसी चिर परिचित प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।न्यूजीलैंड भी ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी के संन्यास के बाद नए खिलाड़ियों के साथ उतरी है। केन विलियम्सन ट्रंपकार्ड हैं और उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड को पहला आईसीसी खिताब दिला सकेंगे। द. अफ्रीका ने 1998 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी जीती थी। लेकिन हाल ही में कोई खिताब नहीं जीत पाई और इस कमी को पूरा करना चाहेगी। टीम अभी अच्छी फॉर्म में चल रही है। ऑस्ट्रेलिया प्रमुख तेज गेंदबाजों कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड के बिना आई है, लेकिन उसके पास जरूरतों पर खरे उतरने वाले बल्लेबाज हैं।अफगानिस्तान की जीत को उलटफेर नहीं माना जाता है।

पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड मैच से होगा आगाज, कब-कहां और कैसे देख पाएंगे फ्री में लाइव मैच

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पहला मुकाबला मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होगा। हाल ही में कीवियों ने ट्राई सीरीज के फाइनल में पाकिस्तान को मात दी थी। माना जा रहा है कि इस टूर्नामेंट के पहले मैच में भी पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ सकती है।चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत में अब कुछ ही घंटे शेष हैं। आठ साल बाद इस टूर्नामेंट की वापसी हो रही है जिसका आयोजन हाइब्रिड मॉडल में हो रहा है। इसके मुकाबले पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का आगाज पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड मैच से होगा। चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले कराची, लाहौर और रावलपिंडी में होंगे। टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। पहला मुकाबला मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच होगा। हाल ही में कीवियों ने ट्राई सीरीज के फाइनल में पाकिस्तान को मात दी थी। माना जा रहा है कि इस टूर्नामेंट के पहले मैच में भी पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ सकती है राष्ट्रीय स्टेडियम, कराची में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इस मैच का आगाज दोपहर 2:30 बजे होगा जबकि इससे आधे घंटे पहले यानी दोपहर दो बजे टॉस होगा। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप पर होगी। इसके अलावा मैच से मैच से जुड़ी खबरें और लाइव अपडेट्स पर पढ़ सकते हैं।

मुंबई की गुजरात पर पांचवीं जीत, 33 गेंदों में नैट सिवर ब्रंट ने जड़ा पचासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात 20 ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 120 रन ही बना सकी थी। जवाब में मुंबई ने 16.1 ओवर में पांच विकेट पर 122 रन बनाए और 23 गेंदों के महिला प्रीमियर लीग के तीसरे संस्करण में यह हरमनप्रीत कौर की टीम की पहली जीत है। इससे पहले उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने दो विकेट से मात दी थी। दिलचस्प बात यह है कि इस टूर्नामेंट में यह मुंबई इंडियंस की दिल्ली कैपिटल्स

शेष रहते यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। नैट सिवर ब्रंट की अर्धशतकीय पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को पांच विकेट से हरा दिया। मंगलवार को वडोदरा के कोतांबी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात 20 ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 120 रन ही बना सकी थी। जवाब में मुंबई ने 16.1 ओवर में पांच विकेट पर 122 रन बनाए और 23 गेंदों के शेष रहते यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। पर पांचवीं जीत है और सभी मैच टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए ही अपने नाम किए हैं इस जीत के साथ मुंबई की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। उनका नेट रनरेट 0.783 हो गया है जबकि गुजरात जायंट्स तीन मैचों में एक जीत और दो शिकस्त के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गई है। उनका नेट रनरेट भी -0.525 हो गया है। फिलहाल शीर्ष पर स्मृति मंधाना की अगुआई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जिसने अब तक खेले अपने दोनों मैचों में जीत हासिल की है। चौथे और पांचवें पायदान पर क्रमशः दिल्ली और यूपी वॉरियर्स हैं।लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की शुरुआत धीमी हुई। हेली मैथ्यूज और यास्तिका भाटिया के बीच पहले विकेट के लिए 22 रनों की साझेदारी हुई, जिसे तनुजा कंवर ने तोड़ा। उन्होंने वेस्टइंडीज की बल्लेबाज को हरलीन देओल के हाथों कैच कराया। वह 17 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद प्रिया मिश्रा ने सातवें ओवर की आखिरी गेंद पर भारत की विकेटकीपर बल्लेबाज को अपना शिकार बनाया। वह सिर्फ आठ रन बना सकीं। टीम को तीसरा झटका कप्तान हरमनप्रीत कौर के रूप में लगा। उन्हें काशवी गौतम ने अपना शिकार बनाया। वह इस मुकाबले में सिर्फ चार रन बना सकीं।गुजरात के खिलाफ 55 के स्कोर पर तीन विकेट खो चुकी मुंबई के लिए नैट सिवर ब्रंट संकटमोचक साबित हुईं। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी की बदौलत जीत की नींव रखी। इस मैच में इंग्लैंड की ऑलराउंडर खिलाड़ी ने 39 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 57 रन बनाए। उन्हें प्रिया मिश्रा ने बोल्ड किया। ब्रंट के अलावा अमेलिया कर ने 19 रन बनाए जबकि सजीवन सजना और जी कमालिनी क्रमशः 10 और चार रन बनाकर नाबाद रहीं।

न्यूजीलैंड से रहना होगा सावधान, भारतीय गेंदबाजों पर रहेगी नजर, पाकिस्तान की बल्लेबाजी कमजोर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को शुरू होने में अब बस दो दिन बचे हैं। इसके मुकाबले पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। भारतीय टीम अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगी। इस 50 ओवर के टूर्नामेंट में आठ टीमें भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एक्शन में दिखेंगी। हम आपको ग्रुप-ए, जिसमें भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और बांग्लादेश हैं, उसके स्क्वॉड और हालिया फॉर्म के आधार पर मजबूतीः बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी के दम पर भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के साथ चैंपियंस ट्रॉफी में प्रबल दावेदारों में से एक होगी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत ने अपनी मेजबानी में इंग्लैंड को 3-0 से हराकर अपनी तैयारियों के संकेत दे दिए हैं। कप्तान रोहित शर्मा ने भी शतक लगाकर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए हैं। विराट भी पुराने टच में दिखने लगे हैं। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल बेहतरीन लय में हैं और मध्यक्रम को श्रेयस अय्यर मजबूती प्रदान कर रहे हैं गेंदबाजी में भारत का स्पिन विभाग रवींद्र जडेजा, कुलदीप, अक्षर और वरुण की मौजूदगी से मजबूत नजर आता है। भारत के ग्रुप में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश और न्यूजीलैंड हैं। भारत दो बार ट्रॉफी जीत चुका है, पिछली बार चैंपियंस ट्रॉफी 2013 में इंग्लैंड में जीती थी जबकि 2002 में श्रीलंका के साथ संयुक्त विजेता

था। पिछली दो बार से फाइनल में पहुंच रही भारतीय टीम का जीत प्रतिशत 69.2 है। उसने अब तक 29 में से 18 मैच जीते हैं।कमजोरीः तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति निश्चित रूप से भारत को बड़ा नुकसान पहुंचाएगी। बुमराह हाल के दिनों में तीनों फॉर्मेट्स में भारत के सबसे बड़े मैच विजेता के रूप में उभरे हैं। वह लगभग हर बार जब गेंदबाजी करते हैं तो एक विकेट की गारंटी देते हैं। बुमराह के नहीं होने से मोहम्मद शमी टीम के सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज होंगे। शमी ने खुद चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की है। इसलिए उनके फॉर्म को लेकर हमेशा अनिश्चितता बनी रहेगी। अवसरः वरुण चक्रवर्ती को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मिस्ट्री स्पिनर ने इंग्लैंड के खिलाफ एक शानदार टी20 सीरीज खेली थी। यह टूर्नामेंट उनके लिए भारत की वनडे टीम में जगह बनाने का मौका हो सकता है खतराः पिछले साल आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल को छोड़कर भारत हाल के वर्षों में आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में ही लड़खड़ा गया है। भारत को इतिहास से सावधान रहना चाहिए बशर्ते वे इस बार फाइनल के लिए क्वालिफाई करें।मजबूतीः मेजबान टीम के पास विध्वंसक खिलाड़ी हैं जो अपना दिन होने पर खतरनाक साबित हो सकते हैं। फखर जमां ने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत को परेशान किया था। वह बाबर आजम से ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। कप्तान मोहम्मद रिजवान और फिनिशर सलमान अली आगा शानदार फॉर्म में हैं। अपने घर में खेलने का पाकिस्तान को फायदा मिलेगा। उनके पास अच्छा तेज आक्रमण है, लेकिन कराची और रावलविंडी की पिचों से मदद मिलना जरूरी है ताकि शाहीन शाह आफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ कमाल दिखा सकें। कमजोरीः सैम अयूब की असामयिक चोट ने पाकिस्तान को ओपनिंग में कमजोर किया है। साथ ही बाबर के फॉर्म के बारे में भी टीम मैनेजमेंट को चिंताएं होंगी। यहां तक कि न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की मौजूदगी वाली त्रिकोणीय सीरीज में भी बाबर (10, 23 और 29) कुछ खास नहीं कर पाए थे। कामरान गुलाम, खुशदिल शाह और तैयब ताहिर को मौका मिलने पर उसे भुनाना होगा। खुशदिल और फहीम अशरफ इस टीम की कमजोर कड़ी हैं। घर पर पाटा पिच पर बल्लेबाज पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों की धुनाई कर सकते हैं। अवसरः घर पर खेलना निश्चित रूप से पाकिस्तान के लिए एक फायदा है। उनके पास एक शक्तिशाली पेस बॉलिंग अटैक है, लेकिन शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हैरिस रऊफ की तिकड़ी के लिए कराची और रावलपिंडी में बैटिंग पिचों पर बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मध्य क्रम में सलमान आगा का फॉर्म में आना एक बड़ा प्लस है और वह बीच के ओवरों मेंऑफ-ब्रेक गेंदबाजी भी कर सकते हैं।

आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत सुपर स्ट्राइकर्स ने गाजियाबाद को हराया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।घातक गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ गाजियाबाद की टीम नौ ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 45 रन ही बना सकी। जवाब में सुपर स्ट्राइकर्स ने 3.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर 47 रन बनाए और आठ विकेट से यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत सुपर स्ट्राइकर्स ने एलएलसीटेन-10 के 13वें मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की है। मंगलवार को लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले गए इस मैच में गाजियाबाद टाइगर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन

सुपर स्ट्राइकर्स के गेंदबाजों ने उनके इस निर्णय को गलत साबित कर दिया। घातक गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ गाजियाबाद की टीम नौ ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 45 रन ही बना सकी। जवाब में सुपर स्ट्राइकर्स ने 3.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर 47 रन बनाए और आठ विकेट से यह मुकाबला अपने नाम कर लिया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपर स्ट्राइकर्स की शुरुआत भी कुछ खास नहीं हुई थी। उन्हें पहले ही ओर में पांच रन के स्कोर पर दो झटके लगे। कप्तान विरुभा वघेला चार और राजी बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। इसके बाद सुमित कोठारी और करन सिंह शेखावत ने मोर्चा संभाला और टीम को जीत दिलाई।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

काना और खालिद की घातक गेंदबाजी से मेरठ इनवेडर्स ने डेस्प्रिंग ईगल्स को हराया, एजाज खोखर का अर्धशतक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेरठ ने एजाज खोखर की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 10 ओवर में पांच विकेट खोकर 118 रन बनाए। जवाब में डेस्प्रिंग ईगल्स की टीम 9.1 ओवर में 10 विकेट गंवाकर सिर्फ 69 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई काना जाट और खालिद की घातक गेंदबाजी की बदौलत मेरठ इनवेडर्स ने डेस्प्रिंग ईगल्स को एलएलसीटेन-10 क्रिकेट के 14वें मुकाबले में हरा दिया। मंगलवार को लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेरठ ने एजाज खोखर की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 10 ओवर में पांच विकेट खोकर 118 रन बनाए। जवाब में डेस्प्रिंग ईगल्स की टीम 9.1 ओवर में 10 विकेट गंवाकर सिर्फ 69 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई।लक्ष्य का पीछा करने उतरी डेस्प्रिंग ईगल्स को उसके बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण हार का सामना करना पड़ा। टीम ने पहला विकेट चित्रांश श्रीवास्तव के रूप में 18 रन के स्कोर पर गंवाया। वह सिर्फ एक

रन बना सके जबकि उन्हें पांच गेंदें खेलने का मौका मिला। इसके बाद दूसरे सलामी बल्लेबाज यदवेंद्र कुमार भी पवेलियन लौट गए। वह नौ गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए। इस टीम के लिए ललित ने सर्वाधिक 32 रनों की पारी खेली। उन्होंने 246.15 के स्ट्राइक रेट से एक चौका और चार छक्के लगाए। मेरठ की घातक गेंदबाजी के आगे ईगल्स का जोर नहीं चला और उनके छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके जबकि दो खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। वहीं, मेरठ इनवेडर्स की तरफ से काना जाट और खालिद ने घातक गेंदबाजी की और तीन-तीन विकेट हासिल किए। उनके अलावा अनिकेत को दो सफलता मिलीं। राओ कामरान और कामरान खान को एक-एक विकेट मिला पहला झटका ललित ने उन्हें दिया। उन्होंने गोलू को कैच आउट किया। वह तीन गेंदों में 10 रन बनाकर लौटे। इसके बाद ललित ने सरताज को सिकंदर के हाथों कैच कराया। वह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, 13 के स्कोर पर सचिन भी दो रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद मोर्चा एजाज और आकाश ने संभाला। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी हुई जिसे अमित ने तोड़ा। उन्हें कप्तान आकाश तोमर को आदर्श सिंह के हाथों कैच कराया। वह 20 गेंदों में दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए। डेस्प्रिंग ईगल्स के खिलाफ एजाज खोखर का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने महज 25 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने 204 के स्ट्राइक रेट से तीन चौके और पांच छक्के जड़े। उनके अलावा शुभम ने एक और कामरान ने 12ङ रन बनाए। वहीं, ईगल्स के लिए ललित ने दो जबकि जैद, सत्य प्रकाश और अमित को एक-एक सफलता मिली।

सम्पादकीय

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से बदलेगी तस्वीर

अब राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने तमाम लोगों से सात दिनो के भीतर ऐसे हथियार जमा करने का निर्देश दिया है। उसके बाद राज्य में और बड़े पैमाने पर उग्रवाद-विरोधी अभियान चलाया जा सकता है।बीते करीब 21 महीनों से जातीय हिंसा की आग में जलने वाले पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की तस्वीर क्या बदलेगी क्या इस हिंसा के बाद राज्य के दोनों प्रमुख समुदाय-मैतेई और कुकी के बीच लगातार चौड़ी होती खाई को पाटना संभव होगा। राज्य में भाजपा के विधायकों के बढ़ते दबाव और बगावत के बाद आखिर मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह ने हाल में इस्तीफा दे दिया था, लेकिन उनकी जगह किसी नाम पर सहमति नहीं होने की वजह से सरकार को राष्ट्रपति शासन लागू करना पड़ा। उसके बाद राज्य की जमीनी स्थिति में थोड़ा ही सही, लेकिन बदलाव नजर आ रहा है। अब यह कहना मुश्किल है कि यह बदलाव कितना स्थायी और प्रभावी होगा। राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद उग्रवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर शुरू हुए अभियान का ही नतीजा है कि अब तक करीब सौ लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में उन हथियारों को बरामद किया गया है जो सरकारी शस्त्रागार से लूटे गए थे।अब राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने तमाम लोगों से सात दिनो के भीतर ऐसे हथियार जमा करने का निर्देश दिया है। उसके बाद राज्य में और बड़े पैमाने पर उग्रवाद-विरोधी अभियान चलाया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा है कि तय समय के भीतर ऐसे हथियार नहीं लौटाने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। लेकिन उसके बाद उनको गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। यहां इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि तीन मई, 2023 को हिंसा की शुरुआत के बाद राज्य के विभिन्न इलाकों में थानों और दूसरी जगहों से बड़ी मात्रा में सरकारी हथियार लूट लिए गए थे। शुरुआती दौर के बाद इस हिंसा की कमान मैतेई और कुकी उग्रवादी संगठनों ने थाम ली थी।लंबे अरसे तक उग्रवाद की चपेट में रहने वाले इस राज्य में बीते कुछ वर्षों से धीरे-धीरे शांति लौट रही थी। लेकिन मई, 2023 की हिंसा ने यहां रहने वाले मैतेई और कुकी समुदाय के बीच की दरार को अचानक और चौड़ा कर दिया है। इस हिंसा की आड़ में कम से कम दो दर्जन कुकी उग्रवादी संगठन राज्य में सक्रिय हो गए। दूसरी ओर, पड़ोसी म्यांमार में ठिकाना बनाने वाले कई मैतेई संगठन भी हिंसा की इस आग में कूद पड़े। केंद्र और राज्य सरकार की चुप्पी ने परिस्थिति और बिगाड़ दी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस हिंसा में अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 50 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित होकर राहत शिविरों में दिन काट रहे हैं। राज्य में 60 हजार से ज्यादा सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद अक्सर हिंसा भड़क उठती थी। लेकिन उग्रवादी संगठनों के खिलाफ कभी किसी बड़े अभियान की जरूरत तक नहीं समझी गई। अब राष्ट्रपति शासन के बाद शुरू हुए अभियान के बाद सवाल उठने लगा है कि आखिर पहले ऐसा क्यों नहीं किया गया और मुख्यमंत्री के इस्तीफे के साथ राष्ट्रपति शासन का फैसला क्यों किया गया राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा विधायकों की बगावत ही इसकी सबसे बड़ी वजह है। विपक्ष ने बजट अधिवेशन के दौरान बीरेन सिंह सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का फैसला किया था। करीब डेढ़ दर्जन भाजपा विधायक भी इसका समर्थन करने का मन बना चुके थे। यानी शक्ति परीक्षण की स्थिति में सरकार का गिरना तय था।पहले तो बागी विधायकों को मनाने का भरसक प्रयास किया गया। लेकिन जब बात नहीं बनी तो बीरेन सिंह को इस्तीफा देने के लिए कहा गया। विश्लेषकों की राय में अगर पार्टी में बीरेन सिंह के खिलाफ बगावत नहीं होती तो अब भी उनका इस्तीफा नहीं मांगा जाता। सदन में बहुमत पाने में बीरेन सिंह सरकार के नाकाम रहने की स्थिति में केंद्र और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की भद पिटती और दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत का उल्लास फीका पड़ जाता। तमाम पहलुओं पर विचार करने के बाद ही मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने को कहा गया था। मुख्यमंत्री ने नौ फरवरी को इस्तीफा दिया था, लेकिन अगले चार दिनों तक जब उनके उत्तराधिकारी पर फैसला नहीं हो सका तो छह महीने के भीतर सदन की बैठक बुलाने की संवैधानिक मजबूरी के कारण ही 13 फरवरी की शाम को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अगले कुछ दिनों या महीनों में राज्य में नया मुख्यमंत्री चुना जाएगा या फिर विधानसभा भंग कर नए सिरे से चुनाव कराए जाएंगे राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि विधानसभा भंग करने की संभावना बेहद क्षीण है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व फिलहाल अगले मुख्यमंत्री के लिए किसी नाम पर आम राय बनाने का प्रयास कर रहा है। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री की कुर्सी के संभावित दावेदारों में से एक मंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने पार्टी के तमाम विधायकों के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ए।

पूर्वोत्तर में बड़ा खतरा बनते तेजी से पिघलते ग्लेशियर

देश के पूर्वोत्तर इलाके में ग्लोबल वार्मिंग का प्रकोप ज्यादा होने की खबरें तो बीते कुछ वर्षों से सामने आ रही हैं। लेकिन अब एक ताजा अध्ययन रिपोर्ट ने पर्यावरणविदों की चिंता बढ़ा दी है। हाल में नागालैंड विश्वविद्यालय और गुवाहाटी स्थित कॉटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अपने एक ताजा अध्ययन में कहा-अरुणाचल प्रदेश में बीते तीन दशकों के दौरान ग्लेशियर प्रति साल 16.94 वर्ग किलोमीटर की दर से पिघल रहा है और अगर यह सिलसिला जारी रहा तो ग्लेशियर के पिघलने से निकलने वाले पानी पर निर्भर रहने वाले समुदायों को भविष्य में खेती और पीने के लिए पानी की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। छोटे ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार और ज्यादा है।वैज्ञानिकों की एक टीम ने बीते 32 वर्षों के आंकड़ों की सहायता से अरुणाचल प्रदेश में ग्लेशियरों की संख्या और उनके घटते आकार का अध्ययन किया है। इससे पता चलता है कि वर्ष 1988 में जहां राज्य का 585 वर्ग किलोमीटर इलाका ग्लेशियर ढका था, वहीं वर्ष 2020 में यह घट कर महज 275 वर्ग किलोमीटर रह गया है। इससे साफ है कि ग्लेशियर के क्षेत्रफल में इस दौरान करीब 53 फीसदी की कमी आई है।बीते महीने जर्नल आफ अर्थ सिस्टम साइंस में छपी इस अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन और उसके गंभीर असर के आकलन के लिए ग्लेशियर एक बेहतर पैमाना हैं। अध्ययन टीम के सदस्य और गुवाहाटी स्थिति कॉटन विश्वविद्यालय के पर्यावरण जीव विज्ञान और वन्य जीव विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. नबोजित हजारिका कहते हैं कि यह अध्ययन इस बात का सबूत है कि पूर्वी हिमालय में ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर कितनी तेजी से पिघल रहे हैं।इस टीम ने अपने अध्ययन के दौरान तवांग, वेस्ट कामेंग, अपर सियांग और अपर दिबांग वैली इलाकों में ग्लेशियरों का अध्ययन किया। इस इलाके में ज्यादातर ग्लेशियर समुद्र की सतह से साढ़े चार हजार से 48 सौ मीटर की ऊंचाई पर स्थित हैं।वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्लेशियरों के पिघलने के कारण ग्लेशियल झीलों के निर्माण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी झीलें अक्सर तबाही मचाती हैं। दो साल पहले सिक्किम में ऐसी एक झील के फटने से बड़े पैमाने पर तबाही मची थी और जान-माल का भारी नुकसान हुआ था।अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 1988 में अरुणाचल प्रदेश में कुल 756 ग्लेशियर थे जो वर्ष 2020 में घट कर 646 रह गए। टीम के एक अन्य सदस्य और नागालैंड विश्वविद्यालय के डा। एल। जमीर बताते हैं कि पश्चिमी हिमालय के मुकाबले पूर्वी हिमालय की ऊंचाई कम है। यही वजह है कि इस इलाके में ग्लोबल वार्मिंग का असर ज्यादा होने का अंदेशा है।ग्लोबल वार्मिंग के असर का पता लगाने के लिए ग्लोशियरों के पिघलना एक पैमाना माना जाता है। लेकिन इससे पहले कभी पूर्वी हिमालय में इतने बड़े पैमाने पर कोई अध्ययन नहीं किया गया था। अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में शोध केंद्र कम होना इसकी प्रमुख वजह है।डा. हजारिका के मुताबिक कई बार ग्लेशियर पिघलने के बाद दो या उससे ज्यादा हिस्सों में बंट जाते हैं, लेकिन चिंता की बात यह नहीं बल्कि उनका क्षेत्रफल कम होना है।वह बताते हैं कि ग्लेशियरों के पिघलने का सबसे तात्कालिक खतरा यह है कि खेती और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए इनके पिघलने से मिलने वाली पानी पर निर्भर समुदायों को निकट भविष्य में पानी की किल्लत से जूझना पड़ सकता है। मोटे आंकड़ों के मुताबिक करीब 1।3 अरब लोग इस पानी पर निर्भर हैं।पूर्वोत्तर इलाके में देश के बाकी हिस्सों के मुकाबले ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल असर कुछ ज्यादा ही नजर आने लगा है। इलाके के तमाम राज्यों में बेमौसम की बरसात, भयावह बाढ़, भूस्खलन, असम चाय की पैदावार व गुणवत्ता में कमी और दुनिया के सबसे नम इलाके वाले मेघालय में पीने के पानी की कमी जैसे मामले इसका सबूत हैं।पूर्वोत्तर इलाका अपनी जैव-विविधता के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। लेकिन मौसम के बदलते मिजाज की वजह से दुर्लभ किस्म की कई वनस्पतियों का अस्तित्व खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है।जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर ने इलाके में लोकप्रिय झूम खेती की परंपरा को भी खतरे में डाल दिया है। झूम यानी हर साल-दो साल जगह बदल कर ढलवां सीढ़ीदार जगह पर होने वाली खेती पूर्वोत्तर भारत में सदियों पुरानी परंपरा रही है। इलाके की भौगोलिक बसावट भी इसके लिए मुफीद रही है।मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन का इलाके की जैव विविधता पर असर साफ नजर आने लगा है। अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले में अब जाड़े के दिनों में भी आम फलने लगे हैं। यह एक नई बात है। मौसम के बदलते मिजाज की वजह से इलाके में कई दुर्लभ वनस्पतियों का अस्तित्व खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. भूमिधर बर्मन कहते हैं कि पूर्वोत्तर में जलवायु परिवर्तन के असर के सटीक आकलन के लिए हमारे पास आंकड़ों की कमी है। दरअसल यह समस्या जितनी नजर आती है उससे कहीं ज्यादा गंभीर है। दुर्गम इलाकों से आंकड़े जुटाने का कोई ठोस इंतजाम नहीं हैं। ऐसे में ज्यादातर इलाकों के आकलन में अनुमानों का ही सहारा लिया जाता है। ताजा अध्ययन रिपोर्ट में रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए ग्लेशियरों के पिघलने पर लगातार निगरानी के साथ ही बेहतर जलवायु अनुकूलन रणनीति पर विचार करना और उनको लागू करना जरूरी है।

जलवायु परिवर्तन का समुद्री स्तनधारियों पर प्रभाव

बढ़ते तापमान और बदलती समुद्री धाराएं व्हेल, डॉल्फिन और पोरपॉइज़ जैसे समुद्री स्तनधारियों के भोजन (शिकार) की उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं। ये प्राणी समुद्री खाद्य श्रृंखला (फूड वेब) को संतुलित रखने और पोषक चक्र (न्यूट्रिएंट साइक्लिंग) में मदद करते हैं।समुद्री स्तनधारी, जिन्हें अक्सर ठसमुद्र के शांत दिग्गजठ कहा जाता है, समुद्री पारिस्थितिक तंत्र (इकोसिस्टम) को स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन उनके आवास, जीवन और पारिस्थितिकी में बड़े बदलाव ला रहा है, जो चिंता का विषय है।20वीं सदी की शुरुआत से, महासागर ने ग्रीनहाउस गैसों से पैदा हुई अतिरिक्त गर्मी का लगभग 93झ् भाग अवशोषित कर लिया है। इसके कारण समुद्र की सतह का तापमान लगभग 1ष्टण् तक बढ़ गया है, जिससे पूरी दुनिया के समुद्री तंत्र प्रभावित हुए हैं।इसके अलावा, महासागर ने मानव द्वारा उत्सर्जित लगभग 30झ् कार्बन डाइऑक्साइड को भी अवशोषित किया है, जिससे समुद्र का ज्प् स्तर कम हुआ है और जल रसायन (केमिस्ट्री) बदल रही है। ये प्रभाव ठंडे, उच्च अक्षांश वाले क्षेत्रों में सबसे गंभीर हैं, जहां ऑक्सीजन का स्तर भी घट रहा है। बढ़ते तापमान और बदलती समुद्री धाराएं व्हेल, डॉल्फिन और पोरपॉइज़ जैसे समुद्री स्तनधारियों के भोजन (शिकार) की उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं। ये प्राणी समुद्री खाद्य श्रृंखला (फूड वेब) को संतुलित रखने और पोषक चक्र (न्यूट्रिएंट साइक्लिंग) में मदद करते हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण ये नए तनाव का सामना कर रहे हैं। आर्कटिक क्षेत्र के व्हेल जैसे नारव्हाल, बेलुगा व्हेल और बोहेड व्हेल सबसे अधिक खतरे में हैं। आर्कटिक में तापमान वैश्विक औसत से दोगुना तेजी से बढ़ रहा है, जिससे समुद्री बर्फ तेजी से पिघल रही है। यह बर्फ उनके लिए बेहद जरूरी आवास (हैबिटेट) है।मिंकी व्हेल्स का आवास (हैबिटेट) घटती बर्फ के कारण खतरे में पड़ सकता है, जबकि राइट व्हेल्स को भोजन की कमी का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि उनके शिकार क्षेत्रों में बदलाव आ रहा है। ये बदलाव समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) की स्थिरता और इन प्रजातियों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं।आर्कटिक सील्स जैसे रिंग्ड सील्स, बीर्डेड सील्स, हार्प सील्स और हूडेड सील्स समुद्री बर्फ पर निर्भर रहते हैं। यह बर्फ उन्हें बच्चे (पिल्लों) को जन्म देने, शिकार से बचने और आराम करने के लिए सुरक्षित स्थान प्रदान करती है। लेकिन गर्म होते तापमान के कारण बर्फ की मोटाई और बर्फ पर बर्फीली परत (स्नो कवर) कम हो रही है।2019 के नेचर क्लाइमेट चेंज अध्ययन के अनुसार, 2100 तक बर्फीली परत में 50झ् की कमी हो सकती है, जिससे रिंग्ड सील के पिल्लों के जीवित रहने की संभावना घट जाएगी।इसके अलावा, समुद्री बर्फ का पिघलना सील्स के भोजन की उपलब्धता को भी प्रभावित करता है। मछलियां और छोटे जीव-जंतु ठंडे पानी में पनपते हैं, लेकिन जब बर्फ घटती है तो ये जीव भी कम हो जाते हैं। इससे सील्स को भोजन की तलाश में लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उनकी ऊर्जा खपत बढ़ जाती है।बर्फ के कम होने से इंसानों की गतिविधियां जैसे शिपिंग, तेल ड्रिलिंग और मछली पकड़ना बढ़ रहे हैं। ये गतिविधियां समुद्री स्तनधारियों के आवास को नष्ट करती हैं और प्रदूषण तथा बायकैच (गलती से फंसना) जैसे खतरे को बढ़ाती हैं।समुद्री स्तनधारियों के भविष्य को बचाने के लिए तुरंत और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि जलवायु परिवर्तन किस तरह उनके व्यवहार, वितरण और पारिस्थितिकी को प्रभावित करता है। समुद्री संरक्षित क्षेत्र (ईंगहा इ्रद-ूर्मूं ी) विकसित करने और शिपिंग, प्रदूषण जैसी समस्याओं से निपटने के लिए नीतियां बनानी होंगी।समुद्री स्तनधारी समुद्री इकोसिस्टम को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं और हमें प्रकृति की ताकत और सुंदरता का एहसास कराते हैं। यदि हम जलवायु परिवर्तन और संरक्षण की चुनौतियों का समाधान करेंगे, तो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए इन समुद्री जीवों और उनके आवास को बचा पाएंगे।

सरस आजीविका मेला 2025 का शुभारंभः 31 राज्यों के उत्पादों की बिक्री के साथ शुरू हुआ मेला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। में पांचवीं बार परंपरा, कला एवं संस्कृति का मनोरम माहौल और लखपति स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) दीदियों की निर्यात क्षमता के विकास की थीम के साथ सरस आजीविका मेला 2025 का शुभारंभ 21 फरवरी, शुक्रवार से हुआ। यह मेला 10 मार्च 2025 तक नोएडा के सेक्टर-33ए स्थित नोएडा हाट में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के समर्थन से आयोजित इस मेले में ग्रामीण भारत की शिल्प कलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जा रहा है। 21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक चलने वाले इस उत्सव में नोएडा हाट में 400 से अधिक महिला शिल्प कलाकार शामिल हैं, जो परंपरागत हस्तकला, ग्रामीण संस्कृति और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। इसके साथ ही मेले में 85 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इंडिया फूड कोर्टः 20 राज्यों के क्षेत्रीय व्यंजनों का स्वाद इस बार सरस आजीविका मेले में इंडिया फूड कोर्ट एक प्रमुख आकर्षण है। इसमें देशभर के 20 राज्यों की 80 उद्यमी गृहणियों ने अपने-अपने प्रदेश के प्रसिद्ध क्षेत्रीय व्यंजनों के स्टॉल लगाए हैं। इन स्टॉल्स पर हर प्रदेश के व्यंजनों का अनोखा स्वाद लोगों को आनंदित कर रहा है। इसके अलावा, देशभर से 400 से अधिक लखपति दीदियां इस मेले की खास मेहमान बनी हुई हैं। हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की भरमार : चिरंजी कटारियापंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के चिरंजी कटारिया ने बताया कि सरस आजीविका मेला 2025 में हथकरघा, साड़ी और ड्रेस मटेरियल से जुड़े कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन शामिल हैं। इनमें आंध्र प्रदेश की कलमकारी, असम का मेखला चादर, बिहार की कॉटन और सिल्क साड़ी, छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ी, गुजरात का भारत गुंथन और पैचवर्क, झारखंड की तसर सिल्क और कॉटन साड़ी, मध्य प्रदेश के चंदेरी और बाग प्रिंट, मेघालय के इरी उत्पाद, ओडिशा की तसर और बांधा साड़ी, तमिलनाडु की कांचीपुरम साड़ी, तेलंगाना की पोचमपुरी साड़ी, उत्तराखंड की पश्मीना, कथा, बाटिक प्रिंट, तांत और बालुचरी तथा पश्चिम बंगाल के विभिन्न उत्पाद शामिल हैं। हस्तशिल्प, ज्वेलरी और होम डेकोर उत्पाद मेले में हस्तशिल्प, ज्वेलरी और होम डेकोर उत्पादों की भी भरमार है। इनमें आंध्र प्रदेश की पर्ल ज्वेलरी, असम के वाटर हायसिंथ हैंडबैग और योगा मैट, बिहार की लाह की चूड़ियां, मधुबनी पेंटिंग और सिक्की क्राफ्ट, छत्तीसगढ़ के बेल मेटल उत्पाद, गुजरात के मिरर वर्क और डोरी वर्क, हरियाणा के टेराकोटा उत्पाद, झारखंड की ट्राइबल ज्वेलरी, कर्नाटक के चन्नापटना खिलौने, ओडिशा के सबाई ग्रास उत्पाद और पटचित्र, तेलंगाना के लेदर बैग, वॉल हैंगिंग और लैंप शेड्स, उत्तर प्रदेश के होम डेकोर उत्पाद और पश्चिम बंगाल के डोकरा क्राफ्ट, सितल पट्टी और विविध उत्पाद शामिल हैं। प्राकृतिक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता मेले में प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के स्टॉल भी लगाए गए हैं। इनमें अदरक की चाय, दाल कॉफी, पापड़, एपल जैम और अचार जैसे उत्पाद उपलब्ध हैं। साथ ही, बच्चों के मनोरंजन के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं।सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी भरपूर आनंद उठाया जा सकता है। पहले दिन अंशु आर्ट्स के हिमाचली नृत्य और सत्यम इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन के ग्रुप डांस की प्रस्तुति पर नोएडावासी झूम उठे। ग्रामीण विकास मंत्रालय की पहलङ ग्रामीण विकास मंत्रालय ने यह मेला एक विशेष मुहिम के तहत आयोजित किया है, जिसका उद्देश्य हस्तशिल्पियों और हस्तकारों को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। मेले के दौरान देशभर के 31 राज्यों के हजारों उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की जा रही है।

मौसम के रस-रंगः सर्दी में गर्मी बढ़ाएगी मुसीबत

इस बार फरवरी में ही गर्मी जैसा आभास हो रहा है। इन दिनों 25 से 28 डिग्री तक तापमान चल रहा है। 20 फरवरी के बाद और ज्यादा तापमान बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। मौसम वैज्ञानिक मान रहे हैं कि मार्च में ही तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है।इस बार न हेमंत ऋतु में सर्दी पड़ी और न शिशिर यानी शीत ऋतु का ही असर रहा। फरवरी जहां सर्दी का मौसम होता था, इस बार लोग-बाग दिन में बिना स्वेटर और जैकेट के घूम रहे हैं। धूप अच्छी नहीं लग रही है। दिन गर्म हैं और रातें मुकाबले में थोड़ी सर्द। दिन में कभी सामान्य हवा चलती है तो कभी सर्द। इससे तापमान फ्लैक्चुएट हो रहा है। नतीजे में न सिर्फ मन और शरीर पर असर पड़ रहा है, बल्कि फसलों को भी नुकसान हो रहा है। इस बार बारिश भरपूर हुई। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि पिछले साल जैसी ही अच्छी सर्दी पड़ेगी। फरवरी 2024 में भरपूर ठंड रही थी तो इस अनुमान पर सभी को भरोसा था। सर्दी को लेकर लगाया गया कयास गलत साबित हुआ। दिसंबर भी उतना सर्द नहीं रहा, जितना कि होना चाहिए था। दिसंबर में न ज्यादा कोहरा पड़ा और न शीत लहर ही चली। कई बार तापमान सामान्य से ज्यादा रहा। बरेली कॉलेज में पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष डॉ. एपी सिंह कहते हैं कि इस बार विंटर रेन नहीं हुई। इसकी वजह से मौसम अभी से गर्म है।आम तौर पर दिसबंर और जनवरी में बारिश होती थी। कई दिनों तक होने वाली इस बारिश से न सिर्फ जमीन नम हो जाती थी, बल्कि वातावरण में भी नमी रहती थी। इस नमी की वजह से कोहरा और पाला बना रहता था। इस बार इनवारयमेंट में डिस्टर्बेंस रहा। इससे मौसम का मिजाज अभी से बदल गया है। बारिश की साइकिल आगे बढ़ी है। अब जून की जगह जुलाई में बारिश शुरू होती है। इसके समकक्ष जाड़े का मौसम आगे नहीं बढ़ा, बल्कि गर्मी जल्दी आ गई। फरवरी में ही गर्मी जैसा आभास हो रहा है। इन दिनों 25 से 28 डिग्री तक तापमान चल रहा है। 20 फरवरी के बाद और ज्यादा तापमान बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।मौसम वैज्ञानिक मान रहे हैं कि मार्च में ही तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। डॉ. एपी सिंह कहते हैं कि जनवरी सामान्य से ज्यादा गर्म रही। इस लिहाज से लग रहा है कि लोगों को मार्च में ही मई जैसी गर्मी झेलनी पड़ सकती है। अगर अब भी पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो जाता है तो बारिश हो सकती है। इससे सर्दी का असर बढ़ सकता है। वरना गर्मी का बढ़ना तय है।

सरस मेला-9वां दिन : दूसरे वीकेंड पर जमकर हुई खरीदारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। सरस आजीविका मेले में 9वें दिन उमड़े खरीददार
बिहार के कॉटन, सिल्क और छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ी बनीं महिलाओं की पहली पसंद इंडिया फूडकोर्ट, सांस्कृतिक आयोजन और बच्चों के मनोरंजक आइटम बने आकर्षण का केंद्र। देव मणि शुक्ल और लखपति स्वयं सहायता समूह एसएचजी दीदियों की निर्यात क्षमता के विकास की थीम के साथ सरस आजीविका मेला 2025 का शुभारंभ 21 फरवरी 2025, शुक्रवार से हुआ। यह मेला 10 मार्च 2025 तक नोएडा के सेक्टर.33ए स्थित नोएडा हाट में आयोजित किया जा रहा है। 21 फरवरी से 10 मार्च झारखंड की तसर सिल्क और कॉटन साड़ी, मध्य प्रदेश के चंदेरी और बाग प्रिंट, मेघालय के इरी उत्पाद, ओडिशा की तसर और बांधा साड़ी, तमिलनाडु की कांचीपुरम साड़ी, तेलंगाना की पोचमपुरी साड़ी, उत्तराखंड की पश्मीना, बाटिक प्रिंट, तांत और बालूचरी तथा पश्चिम बंगाल के

सेक्टर.-33-ए स्थित नोएडा हाट में आयोजित सरस आजीविका मेला-2025 इस दौर में समय की मांग बन रहा है। जिसके मद्देनजर मेले में दिनोंदिन खरीदारों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। शनिवार को जहां एक ओर मेले का 9वां दिन रहा, वहीं दूसरी ओर मेले के दूसरे वीकेंड पर लोगों ने खसकर महिलाओं एवं युवतियों ने मेले में जमकर खरीदारी की। ज्ञात हो कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान एनआईआरडीपीआर के समर्थन से आयोजित इस मेले में ग्रामीण भारत की शिल्प कलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जा रहा है। मेले में शनिवार को दूसरे वीकेंड पर जमकर खरीदारी हुई। यहां बिहार के कॉटन, सिल्क और छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ी महिलाओं की पहली पसंद बनीं हैं। वहीं इंडिया फूडकोर्टए सांस्कृतिक आयोजन और बषों के मनोरंजक आइटम आकर्षण का केंद्र बने हैं नोएडा में पांचवीं बार परंपरा, कला एवं संस्कृति का मनोरम माहौल 2025 तक चलने वाले इस उत्सव में नोएडा हाट में 400 से अधिक महिला शिल्प कलाकार शामिल हैं। जो परंपरागत हस्तकला, ग्रामीण संस्कृति और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। इसके साथ ही मेले में 85 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सरस आजीविका मेले में इंडिया फूड कोर्ट एक प्रमुख आकर्षण है। इसमें देशभर के 20 राययों की 80 उद्यमी महिलाओं ने अपने.अपने प्रदेश के प्रसिद्ध क्षेत्रीय व्यंजनों के स्टॉल लगाए हैं। इन स्टॉल्स पर हर प्रदेश के व्यंजनों का अनोखा स्वाद लोगों को आनंदित कर रहा है। इसके अलावाए देशभर से 400 से अधिक लखपति दीदियां इस मेले की खास मेहमान बनी हुई हैं। सरस आजीविका मेला 2025 में हथकरघा, साड़ी और ड्रेस मटेरियल से जुड़े कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन शामिल हैं। इनमें आंध्र प्रदेश की कलमकारी, असम का मेखला चादर, बिहार की कॉटन और सिल्क साड़ी, छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ी, गुजरात का भारत गुंथन और पैचवर्क, विभिन्न उत्पाद शामिल हैं। सरस आजीविका मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी लोग भरपूर आनंद उठा रहे हैं। दूसरे वीकेंड पर शनिवार को यहां केरल के नित्या चैतन्य कलारी के कलाकारों ने मोहिनीयाट्टमए केरलापयाट्टू तथा थिरुवथिरा नृत्य की मनोरंजक प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया।मेलें में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने के साथ ही अन्य सुविधाओं पर भी पूरा फोकस किया गया है। यहां दीदियों के हस्तनिर्मित उत्पादों की बेहतर सेल के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान ;एनआईआरडीपीआरद्ध के द्वारा सत्र कार्यशालाओं का आयोजन भी समय.समय पर किया जा रहा है। इसके लिए एनआईआरडीपीआर के सहायक निदेशक चिरंजीलाल कटारिया, शोध अधिकारी सुधीर कुमार सिंह एवं सुरेश प्रसाद के सहित पूरी टीम सक्रियता से जुटी है।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन रहा, हो रही दिक्कत- काउंटर पर बढ़ रही भीड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर। नगर निगम की वेबसाइट पर इन दिनों जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीकरण के लिए सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस) का लिंक है। इसपर क्लिक करने

पर पंजीकरण के लिए साइट नहीं खुल रही। लोगों का कहना है कि ऑनलाइन पंजीकरण के लिए लिंक नहीं खुल रहा है। नगर निगम में इन दिनों जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के आवेदन के लिए भीड़ बढ़ी हुई है। एक प्रमाणपत्र को बनने में दो से तीन महीने तक का समय लग जा रहा है। वहीं, दूसरी तरफ ऑनलाइन आवेदन के लिए पोर्टल काम नहीं कर रहा है। इसकी वजह से आवेदन के लिए नागरिकों को निगम के काउंटर पर जाना पड़ रहा है।नगर निगम की वेबसाइट पर ही जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीकरण के लिए सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस) का लिंक है। इसपर क्लिक करने पर पंजीकरण के लिए साइट नहीं खुल रही। लोगों का कहना है कि ऑनलाइन पंजीकरण के लिए लिंक नहीं खुल रहा है।इसकी वजह से काउंटर पर जाकर आवेदन करना पड़ रहा है। नगर निगम और तहसील मिलाकर इस समय 1200 से ज्यादा आवेदन लंबित हैं। इसमें ज्यादातर आवेदन तहसील स्तर पर लंबित हैं। तारामंडल के अभिषेक सिंह बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन कोशिश कर रहे थे लेकिन वहां साइट नहीं खुली। इसकी वजह से ऑफलाइन आवेदन के लिए फॉर्म लिया। कुनराघाट के राजीव दो दिनों से ऑनलाइन पंजीकरण की कोशिश कर रहे थे लेकिन नहीं कर पाए। बढ़ाए गए हैं काउंटरआधार कार्ड बनवाने के लिए क्यूआर कोड वाले जन्म प्रमाणपत्र की अनिवार्यता को देखते हुए निगम ने काउंटर की संख्या भी बढ़ाई है। पुराने प्रमाणपत्रों को अपडेट करने के लिए काफी ज्यादा संख्या में लोग आ रहे हैं। काउंटर बढ़ने से लोगों को थोड़ी राहत भी मिली है अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण में यदि कोई समस्या आ रही है तो उसे सीआरएस की टीम से बात कर दुरुस्त कराया जाएगा। निगम स्तर पर प्रमाणपत्रों के निस्तारण के लिए काउंटर भी बढ़ाए गए हैं।

मारीपत- चिपियाना रेलवे स्टेशन के मध्य फाटक संख्या 151/बी, 2 से 5 मार्च तक मरम्मत कार्य होने के कारण रहेगा बंद

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा उत्तर मध्य रेलवे दादरी के सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि मारीपत-चिपियाना रेलवे स्टेशन के मध्य स्थित फाटक संख्या 151/बी पर बीसीएम मशीनों द्वारा कार्य किए जाने हैं, जो रेल की संरक्षा की दृष्टि से अति आवश्यक है। इस कार्य के फलस्वरुप 02 मार्च 2025 की सुबह 8:00 बजे से 05 मार्च 2025 की शाम 06:00 बजे तक बंद रहेगा। इस संबंध में उन्होंने आम नागरिकों का आह्वान किया है कि इस मार्ग से जाने वाले नागरिक फाटक संख्या 151/भी बंद होने की अवधि के दौरान फाटक संख्या 150/सी अच्छेजा का उपयोग कर सकते हैं।

कोचिंग से घर लौट रही थी छात्रा, शोहदे ने की छेड़खानी- सरेराह पकड़ लिया हाथ

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर। शाहपुर इलाके की एक छात्रा असुरन स्थित एक कोचिंग सेंटर में पढ़ती हैं। बृहस्पतिवार शाम छह बजे वह कोचिंग से घर जा रही और पूरी घटना अपनी बहन से बताई। पीड़ित छात्रा की तहरीर पर शाहपुर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी सिद्धार्थ नगर निवासी संदीप पांडेय को गिरफ्तार कर जेल भिजवा

थी। आरोप है कि रास्ते में बाइक सवार एक युवक छात्रा को रोककर छेड़खानी करते हुए हाथ पकड़ लिया। शाहपुर इलाके के असुरन स्थित एक कोचिंग सेंटर से बृहस्पतिवार शाम घर जा रही छात्रा से शोहदे ने छेड़खानी की। उसका हाथ पकड़ कर बाइक पर बिठाने की कोशिश की। छात्रा ने विरोध किया तो शोहदा अपना मोबाइल नंबर देकर भाग गया।डरी सहमी छात्रा घर पहुंची दिया है। शाहपुर इलाके की एक छात्रा असुरन स्थित एक कोचिंग सेंटर में पढ़ती हैं। बृहस्पतिवार शाम छह बजे वह कोचिंग से घर जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में बाइक सवार एक युवक छात्रा को रोककर छेड़खानी करते हुए हाथ पकड़ लिया। इसके बाद बाइक पर बैठने की कोशिश करने लगा। छात्रा ने विरोध किया तो आरोपी अपना मोबाइल नंबर उसके पास फेंक कर भाग गया।

मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में आगे बढ़े भारत और यूरोपीय संघ, अधिकारियों ने की चर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौता लागू करने की दिशा में आगे कदम बढ़ा दिया है। यह समझौता इस साल के अंत तक लागू हो सकता है। शनिवार को भारत और यूरोपीय संघ के अधिकारियों ने संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी

समझौते के प्रयासों पर चर्चा की।भारत और यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौता लागू करने की दिशा में आगे कदम बढ़ा दिया है। यह समझौता इस साल के अंत तक लागू हो सकता है। शनिवार को भारत और यूरोपीय संघ के अधिकारियों ने संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते के प्रयासों पर चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के अलावा दोनों पक्षों के अधिकारियों ने मुंबई में बात की। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा कि हमारी चर्चा संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में प्रयासों को तेज करने पर केंद्रित थी। हम आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और समृद्ध भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए तत्पर हैं। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। दोनों पक्ष मुक्त व्यापार समझौते, निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेत (जीआई) पर भी समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच 28 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति व्यक्त की थी। दोनों पक्षों के बीच 10-14 मार्च तक ब्रुसेल्स में एफटीए के लिए दसवें दौर की वार्ता आयोजित होने वाली है। ट्रंप की टैरिफ धमकी को देखते हुए भारत और यूरोपीय संघ के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। मौजूदा अनिश्चित वैश्विक आर्थिक स्थिति में भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है।

टीए की नियुक्ति में फिर फंसा पेंच... निविदा में आईं दो कंपनियां; उसमें भी एक बैन, सीबीआई जांच की मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर।यूपी में टीए की नियुक्ति में एक बार फिर पेंच फंस गया है। निविदा में दो कंपनियां आईं। उसमें भी एक कंपनी बैन है। उपभोक्ता परिषद ने सीबीआई जांच की मांग उठाई है।यूपी की राजधानी लखनऊ में पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण प्रस्ताव में एक के बाद एक बाधा सामने आ रही है। एक तरफ कार्मिक विरोध कर रहे हैं तो दूसरी तरफ बार-बार नियमावली बदलनी पड़ रही है। शनिवार को निविदा भरने का अंतिम दिन था। ऐसे में सिर्फ दो कंपनियां ही निविदा में हिस्सा ले रही हैं। नियमावली के तहत बिना तीन कंपनी के हिस्सा लिए तकनीकी निविदा नहीं खोली जा सकती है।पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल के निजीकरण प्रस्ताव के तहत ट्रांजक्शन एडवाइजर की नियुक्ति हो रही है। इसके लिए सात कंपनियों ने निविदा में हिस्सा लेने की तैयारी की थी, लेकिन शनिवार दोपहर तीन बजे तक सिर्फ दो कंपनियों ने ही निविदा भरी है। मालूम हो कि पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल के निजीकरण के मसले पर एनर्जी टास्क फोर्स के प्रस्ताव में बदलाव हो चुका है। इसी के तहत ट्रांजक्शन एडवाइजर की नियुक्ति का फैसला लिया गया। इतना ही नहीं एडवाइजर नियुक्ति मामले में भी कई नियमों में शिथिलता दी गई। फिर भी अभी तक कंपनियां नहीं मिल पा रही हैं।उपभोक्ता परिषद ने शुक्रवार को ही कनफ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट (हितों के टकराव) का मुद्दा उठाया था। परिषद ने यह भी खुलासा किया था कि जिन कंपनियों ने निविदा में हिस्सा लेने की तैयारी की है, वे किसी न किसी कंपनी से जुड़ी हुई हैं। परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने दावा किया है कि निविदा प्रक्रिया में जिन दो कंपनियों ने हिस्सा लिया है, उसमें एक

सऊदी अरब की है। यह कंपनी एक साल के लिए बैन हो चुकी है। ऐसे में यह कंपनी फरवरी 2026 तक निविदा में हिस्सा नहीं ले सकती है। इस कंपनी को किसी भी कीमत पर निविदा में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। वर्मा ने फाइनेंशियल रिर्पोटिंग काउंसिल (एफआरसी) हेडक्वार्टर यूके और भारत की नेशनल फाइनेंशियल रिर्पोटिंग अर्थारिटी में कनफ्लिक्ट आफ इंटरेस्ट (हितों के टकराव) के मामले का खुलासा करते हुए एक बार फिर पूरे प्रकरण में सीबीआई जांच की मांग उठाई है।विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने निजीकरण की प्रक्रिया को गैरकानूनी बताते हुए तत्काल प्रस्ताव निरस्त करने की मांग की है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि निजीकरण का प्रस्ताव तैयार करने में नियमों को दरकिनार किया गया है। ट्रांजेक्शन एडवाइजर की तकनीकी बीड खोलने की कोशिश की गई तो तीन मार्च को शक्ति भवन सहित सभी जिला मुख्यालयों पर जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि ट्रांजक्शन एडवाइजर के लिए सामने आने वाली कंपनियां कनफ्लिक्ट आफ इंटरेस्ट (हितों को टकराव) के दायरे में आती है। अभी तक दो कंपनियां ही सामने आई है। जब तक तीन कंपनियां नहीं होंगी तब तक बिडिंग प्रक्रिया को संवैधानिक नहीं माना जा सकता है। इसलिए इसे निरस्त किया जाए।

उद्योग विहार सेक्टर 82 सोसाइटी में चुनाव को लेकर डिप्टी रजिस्ट्रार की सख्त कार्रवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। उद्योग विहार सेक्टर 82 सोसाइटी में आरडब्ल्यूए चुनाव न होने के कारण निवासियों में लंबे समय से असंतोष बना हुआ था। सोसाइटी के वर्तमान अध्यक्ष और महासचिव का कार्यकाल अक्टूबर 2024 में समाप्त हो चुका है, लेकिन अभी तक चुनाव नहीं कराए गए। चुनाव प्रक्रिया को लेकर कई बार डिप्टी रजिस्ट्रार द्वारा हस्तक्षेप किया गया, यहां तक कि दो बार जांच अधिकारी और एक बार चुनाव अधिकारी भी नियुक्त किए गए, लेकिन चुनाव नहीं हो सका। सूत्रों के अनुसार, पहले नियुक्त चुनाव अधिकारी ने किसी दबाव के कारण चुनाव कराने से इनकार कर दिया। इसे देखते हुए, डिप्टी रजिस्ट्रार ने एक बार फिर आदेश जारी कर नए चुनाव अधिकारी और जांच अधिकारी की नियुक्ति कर दी है।

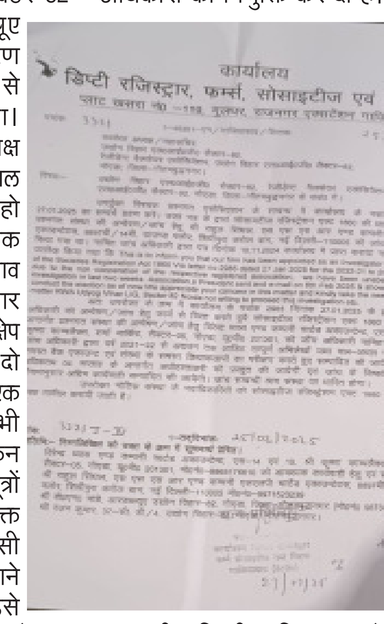
कार्यालय
डिप्टी रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स,

साथ ही, डिप्टी रजिस्ट्रार ने अध्यक्ष और महासचिव को कालातीत घोषित कर दिया है, जिससे अब किसी भी प्रकार की प्रशासनिक बाधा नहीं रहेगी और चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष तरीके से पूरी हो सकेगी। अब सवाल यह उठता है कि जब कार्यकाल अक्टूबर 2024 में समाप्त हो गया था, तो अब तक चुनाव क्यों नहीं कराए गए? अध्यक्ष और महासचिव को इस पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। क्या सोसाइटी के सदस्यों को उनके अधिकारों से वंचित रखने के लिए चुनाव को टालने की कोशिश की गई अब देखना यह होगा कि नए चुनाव अधिकारी की नियुक्ति के बाद चुनाव प्रक्रिया कब तक पूरी होती है और सोसाइटी में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल होती है।

व्यापारियों ने सड़क चौड़ीकरण के विरोध में किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर। व्यापारियों की मांग है कि 12.5 मीटर की प्रस्तावित चौड़ाई को कम किया जाए। उन्होंने डीएम पहुंची टीम का भी व्यापारियों ने विरोध किया।सड़क चौड़ीकरण के विरोध में रेती चौक से घंटाघर तक के व्यापारी सुबह से ही दुकानें बंद का आंशिक रूप से नुकसान हो रहा है सरकार उन व्यापारियों का सहयोग करे और व्यापारियों को जमीन का उचित मुआवजा मिले।

कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से व्यापारियों ने मांग किया है कि विभाग दुकानों को तोड़ने के लिए समय का निर्धारित करे, जिससे व्यापारी अपना-अपना सामान खाली कर सकें। धर्मशाला से पांडेयहाता तक विरासत गलियारा बनने के विरोध में रेती से घंटाघर तक के व्यापारियों ने शनिवार को सड़क चौड़ीकरण का विरोध किया। साथ ही पांडेयहाता चौकी के पास दुकानों को तोड़ने के लिए बुलडोजर लेकर कर सड़क पर आ गए। काफी देर तक व्यापारियों ने सड़क पर खड़े होकर प्रदर्शन किया। व्यापारियों की मांग है कि 12.5 मीटर की प्रस्तावित चौड़ाई को कम किया जाए।उन्होंने डीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से व्यापारियों ने मांग किया है कि विभाग दुकानों को तोड़ने के लिए समय का निर्धारित करे, जिससे व्यापारी अपना-अपना सामान खाली कर सकें। व्यापारियों की मांग की है कि जिनकी दुकान विरासत गलियारा के चौड़ीकरण को लेकर बुलडोजर लेकर पहुंची टीम का भी व्यापारियों ने विरोध किया। व्यापारी ललित का कहना था कि इससे हमारा नुकसान है। व्यापारियों को सामान हटाने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। इस अवसर पर मोहित पटवा, रोहित पटवा, प्रदीप कुमार, महेश चौरसिया, सुनील कुमार गुप्ता, संजय कुमार, उदयभान आदि मौजूद रहे।

गहराई में समाई हैं भ्रष्टाचार की जड़ें, टैक्स चोरी 5.64 लाख करोड़ की... मिले केवल 1.40 लाख करोड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर। वर्ष 2019-20 में 10 हजार से ज्यादा छापे में 40 हजार करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का पर्दाफाश किया। इस वर्ष भी लगभग

आधा यानी 18 हजार करोड़ रुपये की रिकवरी में सफलता मिली और 231 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2020-21 में 12,500 से ज्यादा छापों में 50 हजार करोड़ की टैक्स चोरी मिली लेकिन रिकवरी केवल 12 हजार करोड़ रुपये ही हो सकी। उत्तर प्रदेश के सेंट्रल जीएसटी टीमों की छापेमारी की संख्या और टैक्स चोरी के खुलासों ने विभाग के कामकाज को कटघरे में खड़ा कर दिया है। विभाग के मुताबिक जीएसटी लागू होने के बाद 5.64 लाख करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी गई है। लेकिन, सरकार को सिर्फ 1.40 लाख करोड़ ही मिले। सुप्रीम कोर्ट में इसी सप्ताह पेश रिपोर्ट में छापों के आंकड़ों से विभाग के साथ कारोबारियों के बीच हलचल है। स्टेट जीएसटी की तुलना में सेंट्रल जीएसटी के छापों से कारोबारी ज्यादा भयभीत रहते हैं। इसकी वजह गिरफ्तारी का अधिकार है। हालांकि जीएसटी छापों में गिरफ्तारी को लेकर पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने कारोबारियों को बड़ी राहत दी थी। ऐसे ही मामलों की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने फर्जी फर्मों और जीएसटी छापों का ब्योरा पेश करने का आदेश दिया था। एक जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद मार्च 2024 तक के आंकड़े हैरान करने वाले हैं। जुलाई 2017-18 में सीजीएसटी ने 1,216 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पकड़ी थी। इसके एवज में 394 करोड़ रुपये की रिकवरी हुई और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। वर्ष 2018-19 में छापों की संख्या 424 से बढ़कर 7,365 पहुंच गई। टैक्स चोरी की रकम भी तीस गुना बढ़कर 37,916 करोड़ हो गई लेकिन विभाग ने 19,216 करोड़ रुपये जमा कराने में सफलता पाई। वहीं, 191 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि इस वर्ष सबसे ज्यादा 460 गिरफ्तारियां की गईं। वर्ष 2021-22 में भी छापे लगभग 12,500 ही मारे गए लेकिन टैक्स चोरी का खुलासा 73 हजार करोड़ रुपये पार कर गया। इसका एक तिहाई करीब 25 हजार करोड़ रुपये जमा कराए गए और 342 लोगों को जेल भेजा गया। वर्ष 2022-23 में छापे बढ़कर 15,500 हो गए और पहली बार टैक्स चोरी का आंकड़ा 1.31 लाख करोड़ को भी पार कर गया। लेकिन सरकार को सिर्फ 33 हजार करोड़ रुपये ही मिले। वहीं, 190 लोगों को जेल भेजा गया। वर्ष 2023-24 में 20 हजार छापेमारी की गई। इस वर्ष टैक्स चोरी बढ़कर 2.30 लाख करोड़ रुपये हो गई। इसके बावजूद सरकारी खजाने में 31 हजार करोड़ रुपये ही आए।

धूल फांक रही दिल्ली की बाइक एम्बुलेंस सेवा, मरीजों को नहीं मिल रही सुविधा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कैग रिपोर्ट ने एंबुलेंस सुविधा पर उठाए सवाल, कहा मरीजों को सुविधा देने से किया मना, सामने आए दूसरी कई समस्याएं भी। पूर्वी, शाहदरा और उत्तर पूर्व दिल्ली के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में मरीजों को तत्काल राहत देने के लिए शुरू की गई बाइक एम्बुलेंस अब धूल फांक रही हैं। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत स्वास्थ्य विभाग की तरफ से शुरू हुई योजना कुछ दिन चली, लेकिन कर्मचारियों के अभाव में योजना ने शुरू होने से पहले दम तोड़ दिया। इस योजना के शुरू होने पर दिल्ली के भीड़-भाड़ इलाके में घायलों को तुरंत राहत मिलने की उम्मीद थी। दिल्ली

विधानसभा में रखी गई कैग रिपोर्ट ने भी इस योजना पर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के भीड़ भाड़ वाले इलाकों में चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए फरवरी 2018 में बाइक एम्बुलेंस को मंजूरी दी गई। इसमें मोटर साइकिलों का उपयोग करके प्रथम प्रतिक्रिया वाहन (एफआरवी) तैयार किए गए। पायलट प्रोजेक्ट के तहत मई 2018 में 12.84 लाख की लागत से 16 एफआरवी खरीदे गए। फरवरी 2019 में इन्हें पूर्वी, शाहदरा और उत्तर पूर्व जिलों को कवर करने के लिए तैनात किया गया। एफआरवी को नियमित सीएटीएस कर्मचारियों ने संचालित किया।रिपोर्ट के ऑडिट में पाया गया कि इन एफआरवी को बाद में कर्मचारियों की कमी के कारण मार्च 2020 में वापस ले लिया गया

बॉलीवुड/टेली मसाला

शादी के लिए परेशान हुए राजकुमार राव, कॉमेडियन ने कर दिया रोस्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। राजकुमार राव एक बार फिर अपनी फिल्म में उस युवा की कहानी लेकर आए हैं, जो छोटे शहर का है और शादी करना चाहता है। इस पर कॉमेडियन अक्षत ने उन पर जोक किया है। ये वीडियो काफी वायरल हो रहा है।अभिनेता

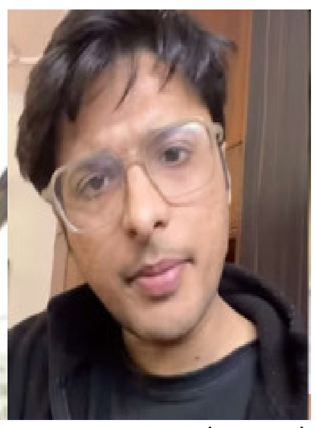

राजकुमार राव की फिल्म 'भूल चूक माफ' का टीजर मंगलवार को रिलीज हो गया है। फिल्म में जो सबसे खास चीज है वह यह है कि राजकुमार राव ने फिल्म में बनारस के नौजवान का किरदार अदा किया है, जो अपनी शादी की तारीख तय हो जाने को लेकर बहुत परेशान रहता है। राजकुमार राव ने इसी तरह के किरदार कई दूसरी फिल्मों में भी अदा किए हैं। इन फिल्मों में 'विक्की बैद्या का वो वाला वीडियो', 'शत्री 2', 'हम दो हमारे दो' और 'रूही' शामिल हैं। राजकुमार राव के इन रोल को कॉमेडियन अक्षत ने नोटिस किया है। उन्होंने अपनी वीडियो में राजकुमार राव पर जोक किया और उनकी ये वीडियो वायरल हो रही है।वीडियो में अक्षत राजकुमार राव पर जोक कर रहे हैं कि 'क्योंकि अब कोई कहानी रह नहीं गई है सुनाने को। टू टियर सिटी में एक लड़का जिसे जिसे शादी करनी है, इकलौती कहानी है सुनाने के लिए। हमारे देश के सबसे अच्छे एक्टर राजकुमार राव यही करने के लिए पैदा हुए हैं।' अक्षत वीडियो में आगे कहते हैं 'जाकिर खान कहते हैं कि वह छोटे शहर से आते हैं लेकिन राजकुमार राव कहते हैं कि वह छोटे शहर जा रहे हैं। हर शहर को 2 टियर सिटी बनाओ सभी लड़कों को रिप्रेजेंट करेंगे राजकुमार राव। राजकुमार राव हमारे मंत्री हैं।'अक्षत की बातों से इंटरनेट यूजर भी सहमत हैं। एक यूजर ने वीडियो के कमेंट में लिखा कि 'इक दो मूवी तक ठीक था, वो भी शुरू में, फिर उसके बाद हीरो बनने का शौक चढ़ गया।' एक दूसरे यूजर ने लिखा कि 'सिटीलाइट्स के बाद राजकुमार राव ने फैसला कर लिया कि बड़े शहर जाना ही नहीं है।' एक और यूजर ने कहा 'इसलिए सरकार डेवलपमेंट के बारे में नहीं सोचती है। अगर सब शहर अच्छे बन गए तो राजकुमार राव कहां जाएगा।आपको बता दें कि 'भूल चूक माफ' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है। इसमें राजकुमार राव अहम किरदार में नजर आएंगे। उनके साथ वामिका गब्बी होंगी। बीते रोज राजकुमार राव ने इस फिल्म का टीजर जारी किया था। टीजर में राजकुमार राव और वामिक गब्बी की शादी तय होती है। शादी से पहले कुछ रस्में होती हैं। राजकुमार राव को सपने में अपनी हल्दी की रस्म दिखाई देती है। फिर जब हकीकत में हल्दी की रस्म होती है तो उनका सिर चकरा जाता है।

बॉर्डर 2' की शूटिंग के दौरान घायल हुए वरुण धवन, खुद फोटो शेयर कर बोले- गहरा है जख्म

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अभिनेता वरुण धवन बॉर्डर 2 के सेट पर चोट लगने से घायल हो गए। उन्होंने चोट की

फोटो भी शेयर की है।बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग के दौरान घायल हो गए। उन्होंने अपनी चोट की फोटो सोशल मीडिया पर भी शेयर की है।अभिनेता ने अपनी चोट की तस्वीर शेयर की है। इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की इस फोटो में वरुण धवन की उंगली में गहरा कट दिखाई दे रहा है। बॉर्डर 2 की शूटिंग के लिए वे इन दिनों झांसी में शूटिंग कर रहे हैं।सोशल मीडिया पर फिल्म की शुरुआत की जो तस्वीर शेयर की गई है, उसमें निर्देशक अनुराग सिंह, निर्माता भूषण कुमार, निधि दत्ता और सह-निर्माता शिव चनाना और बिनॉय गांधी भी देओल के साथ पोज देते नजर आए। सनी देओल का किरदार 'बॉर्डर 2' में कैसा रहेगा फिलहाल ये तय नहीं है। फिल्म के लिए सनी देओल और वरुण धवन ने शूटिंग शुरू कर दी। दिलजीत दोसांझ ने अभी तक फिल्म की शूटिंग शूरू नहीं की है, वे जल्द ही टीम ज्वाइन करने वाले हैं।'बॉर्डर 2' वीरता और साहस की कहानी है। पहली फिल्म की तरह ही दूसरी फिल्म को भी भव्य बनाने की कोशिश निर्माता कर रहे हैं। खबरों की मानें तो यह फिल्म अगले साल 23 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली है।

फायरिंग मामले में रैपर रॉकी निर्दोष, फैसला सुन रो पड़े

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। लॉस एंजिलिस के रैपर रॉकी को उनके दोस्त पर फायरिंग करने के मामले में निर्दोष पाया गया है। इस खबर के आने के बाद सिंगर रिहाना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट

कर खुशी जताई है। आइए आपको बताते हैं क्या है पूरा मामला..।लॉस एंजिलिस की एक अदालत ने रैपर "ऐंझ रॉकी उर्फ रकीम मेयर्स को निर्दोष करार दिया है। मामला साल 2021 में हुए एक फायरिंग विवाद का है। तीन हफ्ते तक चले इस मुकदमे का अब अंत हो गया है। अदालत का फैसला सामने आने के बाद रकीम मेयर्स की पार्टनर रिहाना ने ट्वीट कर खुशी जताई है।इस केस की सुनवाई के दौरान अदालत में रॉकी की डिफेंस टीम, उनकी पार्टनर रिहाना और परिवार के सदस्य मौजूद थे। कोर्ट ने जब फैसला सुनाया तो सभी खुशी के कारण झूम उठे। रैपर रॉकी तो फैंसिंग से उस पार कूदकर मां से गले मिलने जा पहुंचे। बताते चलें कि अगर इस मामले में रैपर को दोषी पाया जाता तो उन्हें 24 साल की जेल हो सकती थी।लॉस एंजिल्स के अमेरिकी रैपर रॉकी पर नवंबर 2021 में हॉलीवुड के एक होटल के बाहर अपने पूर्व मित्र टेरेल एफ्रॉन पर फायरिंग करने का आरोप लगाया था। वैरायटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक एफ्रॉन ने कहा था कि रॉकी ने उनके सिर और पेट पर गोली चलाई थी। वहीं, रॉकी के वकील ने अदालत में कहा कि एफ्रॉन को लगी चोट बहुत ही हल्की थी और रॉकी ने सिर्फ प्रॉप गन का इस्तेमाल किया था। उन्होंने यह भी कहा कि एफ्रॉन ने इस मामले में रॉकी को फंसाने के लिए एविडेंस प्लान्ट किए थे। एफ्रॉन ने रॉकी पर तीस मिलियन यूएस डॉलर का सिविल लॉ सूट फाइल किया था।सिंगर रिहाना ने भी इस मामले पर रॉकी के बेगुनाह साबित होने पर खुशी जताई है। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि सब कुछ सच में भगवान होता है। उस पर दया दिखाने के लिए धन्यवाद।

न 'मुल्क 2', न कोर्टरूम ड्रामा, अनुमानों से बिल्कुल अलग बनने जा रही अनुभव की नई फिल्म

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय निर्देशक अनुभव सिन्हा की अगली फीचर फिल्म को लेकर सिने जगत में बीते कई दिनों से हलचल है। कोई कह रहा है कि ये फिल्म 'मुल्क' का सीक्वल है, किसी ने अंदाजा लगाया कि ये फिल्म एक कोर्ट रूम ड्रामा

बनने जा रही है। नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'आईसी 814' के निर्देशन से अंतरराष्ट्रीय सिने जगत में अपनी धाक जमाने वाले भारतीय निर्देशक अनुभव सिन्हा की अगली फीचर फिल्म को लेकर सिने जगत में बीते कई दिनों से हलचल है। कोई कह रहा है कि ये फिल्म 'मुल्क' का सीक्वल है, किसी ने अंदाजा लगाया कि ये फिल्म एक कोर्ट रूम ड्रामा बनने जा रही है, लेकिन 'अमर उजाला' के पास इस बात की ठोस जानकारी है कि अनुभव सिन्हा की अगली फिल्म न 'मुल्क 2' है, और न ही ये एक कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म होने जा रही है।अनुभव सिन्हा की फिल्म निर्माण कंपनी बनारस मीडिया वर्क्स में इन दिनों शूटिंग शुरू होने से पहले की काफी हलचल बताई जा रही है। अनुभव अपनी राइटर्स टीम के साथ बीते एक महीने से दिन रात काम करते रहे हैं। अनुभव की ये आदत रही है कि जब तक फिल्म की कहानी उनको संतुष्ट नहीं करती है, वह शूटिंग शुरू नहीं करते हैं। इसके अलावा जिन्होंने भी उनका मुंबई में अंधेरी स्थित कार्यालय देखा है, वे बताते हैं कि उनको पढ़ने का बहुत शौक है। उनके दफ्तर की दीवारें किताबों से भरी नजर आती हैं।अगले साल अनुभव सिन्हा की पहली फिल्म 'तुम बिन' को रिलीज हुए 25 साल हो जाएंगे। उनके करीबी बताते हैं कि अनुभव सिन्हा अब जो भी फिल्में बना रहे हैं, वे अपने अनुभवों को अपने फिल्म निर्देशन की धार बनाकर ही बना रहे हैं। किसी विषय को लेकर जिद पर अड़ना वह छोड़ चुके हैं, और इसका सबसे बड़ा फायदा उनकी मेकिंग में दिखा वेब सीरीज 'आईसी 814' के दौरान। इस सीरीज के निर्देशन से राहत पाते ही अनुभव ने अपनी अगली फिल्म शुरू कर दी थी, जिसकी शूटिंग अब जानकारी के मुताबिक अप्रैल महीने में दिल्ली में होगी।अनुभव सिन्हा की गिनती हिंदी सिनेमा के उन नामचीन निर्देशकों में की जाती है, जिनके पास सिनेमा की विविधता है। वह 'तुम बिन', 'आर्टिकल 15', 'अनेक', 'भीड़' और 'थप्पड़' जैसी फिल्में निर्देशित कर चुके हैं और अब बताते हैं कि उनकी जो अगली अनाम फिल्म है, उसमें कोर्टरूम के दृश्य तो हैं, लेकिन इसे पूरी तरह से कोर्ट रूम ड्रामा नहीं कहा जा सकता है। सूत्र बताते हैं कि फिल्म का करीब 75 फीसदी हिस्सा कोर्ट रूम के बाहर शूट होना है।तापसी पन्नू और अनुभव सिन्हा की एक साथ ये तीसरी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों ने 'थप्पड़' (2020) और 'मुल्क' (2018) में साथ काम किया है। 'थप्पड़' को क्रिटिक्स से शानदार रिव्यू मिले थे। यह फिल्म महिलाओं ने काफी सराही, क्योंकि इसमें महिला सम्मान के एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दो को उठाया गया था। तापसी को इस फिल्म के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। इससे पहले 'मुल्क' को भी बेस्ट स्टोरी और बेस्ट फिल्म का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिल चुका है।

अब लोग नहीं पूछेंगे आपका नाम क्या है', 'छावा' का हिस्सा बनकर बोले विनीत कुमार सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अब लोग नहीं पूछेंगे आपका नाम क्या है', 'छावा' का हिस्सा बनकर बोले विनीत कुमार सिंह'मुक्काबाज', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'बॉम्बे टॉकीज' और 'गोल्ड' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर विनीत कुमार सिंह हाल ही में विक्की

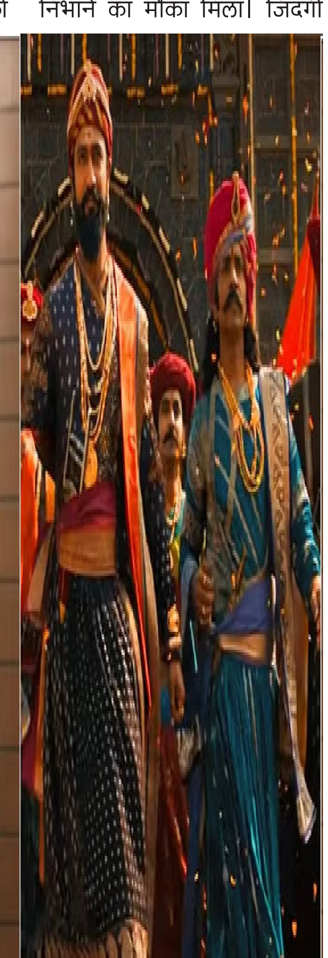

कौशल अभिनीत फिल्म 'छावा' में दमदार किरदार निभाते नजर आए। छावा में विनीत ने कवि कलश की भूमिका निभाई है। कवि कलश, संभाजी महाराज के करीबी दोस्त थे। फिल्म में अपने किरदार के लिए उन्हें फैंस की तारीफ मिल रही है। 'छावा' फिल्म को दर्शकों का बहुत सारा प्यार मिल रहा है। इस फिल्म में कवि कलश की भूमिका निभाने वाले अभिनेता विनीत कुमार ने अब फिल्म का हिस्सा बनने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने इस फिल्म की कहानी और सह-कलाकारों को लेकर भी अपने मन की बात कही है।अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट पर लिखा कि एक अभिनेता के तौर पर यह सबसे जरूरी है कि आप ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनें, जिनकी कहानी फैंस के दिलों को छू जाए। मैं हमेशा से ऐसी ही कहानी चुनने के बारे में सोचता हूं, जो फैंस को इंस्पायर करें या आपको कुछ नया महसूस करवाए। मुक्केबाज के बाद एक ऐसा समय था, जब मेरे पास काम नहीं था लेकिन आज मैं उस फिल्म का हिस्सा हूं, जिसे करने के बाद मुझे गर्व महसूस हो रहा है।विनीत कुमार कवि कलश इस खूबसूरत और दमदार किरदार निभाने का मौका मिला। जिंदगी अपने तरीके से सबक सिखाती है, कभी-कभी मुश्किल होता है लेकिन हमेशा सार्थक होता है। जिन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया, उन सभी को धन्यवाद। विनीत ने सभी अभिनेताओं, निर्देशकों और पत्रकारों को विशेष धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें प्रोत्साहित किया और जीवन में कभी हार न मानने का कारण दिया। आशा करता हूं कि अब लोग नहीं पूछेंगे कि आपका नाम क्या है विनीत कुमार ने विक्की कौशल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि जैसे आपने इस फिल्म में जान डाली, उसने वाकई मुझे छू लिया। मैंने आपको गैंग्स ऑफ वासेपुर से छावा तक का सफर तय करते देखा है। मैं अपने सभी सह-कलाकारों का आभारी हूं। उन्होंने एआर रहमान का भी धन्यवाद किया। छावा में मेरे किरदार को आपकी खूबसूरत कविताएं देने के लिए धन्यवाद। कोशिश करूंगा ऐसी कहानियां आपके सामने लाने को जो आपके दिलों को छू जाएं।

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे अक्षय कुमार और हेमा मालिनी, ये सितारे भी आएंगे नजर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारी जीत के बाद भाजपा खुश है। दिल्ली के मुख्यमंत्री पद

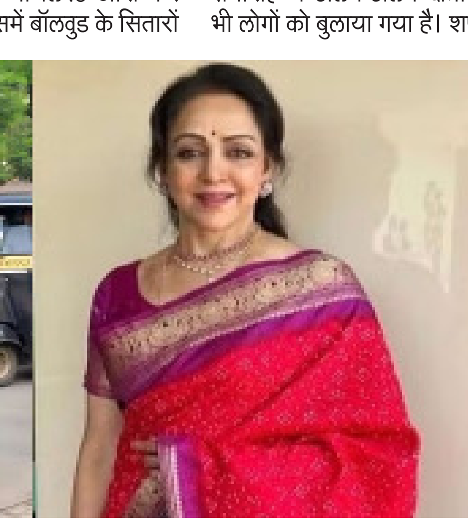

के शपथ ग्रहण समारोह के लिए दिल्ली के रामलीला मैदान में तैयारी हो रही है। इसमें बॉलीवुड के कई सितारे शामिल होंगे।दिल्ली में पांच फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग हुई। इसके नतीजे आठ फरवरी को आए। इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में 70 में से 48 सीटें जीती हैं। ऐसे में दिल्ली को भाजपा का मुख्यमंत्री मिलने जा रहा है। अभी ये साफ नहीं है कि दिल्ली में भाजपा की तरफ से मुख्यमंत्री कौन होगा, लेकिन आज ये साफ हो जाएगा कि दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। लेकिन दिल्ली में कल यानी कि 20 फरवरी को शपथ ग्रहण समारोह होने वाला है। इसके लिए दिल्ली के रामलीला मैदान को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले मेहमानों की भी लिस्ट जारी कर दी गई है। इसमें बॉलवुड के सितारों के शामिल होने की भी खबर है। 20 फरवरी को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ मैजूद रहेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के कई नोताओं, बॉलीवुड की हस्तियों समेत 30 हजार लोग शामिल होंगे। रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह से पहले एक संगीत प्रोग्राम होगा। इस प्रोग्राम में गायक कैलाश खेर अपनी प्रस्तुति देंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में गायक कैलाश खेर के अलावा अभिनेता अक्षय कुमार, हेमा मालिनी और विवेक ओबरॉय सहित 50 फिल्मी सितारे आ रहे हैं। प्रोग्राम में उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी भी शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह में अलग-अलग क्षेत्रों से भी लोगों को बुलाया गया है। शपथ ग्रहण समारोह में बाबा रामदेव, स्वामी चिदांनंद, बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री शामिल होंगे। शपथ ग्रहण समारोह में लाडली बहनों को भी बुलाया गया है। इसके अलावा दिल्ली के किसान भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के लिए एक पंडाल लगाया जा रहा है। इसमें तीन अगल-अलग मंच बनाए जा रहे हैं। मंचों पर मेहमानों के लिए 150 कुर्सियां लगेंगी। बड़े मंचों पर प्रधानमंत्री और नए मुख्यमंत्री बैठेंगे। दूसरे मंच पर भाजपा के नेता और दूसरे राज्यों के मंत्री बैठेंगे। एक और मंच पर मेहमानों और संतों के बैठने की जगह होगी। पूरे मैदान में 20 हजार कुर्सियां होंगी।

बहू ने हुक्म दिया तो कैसे मना कर देती, शबाना आजमी ने बताई 'डब्बा कार्टेल' का हिस्सा बनने की वजह

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सीरीज 'डब्बा कार्टेल' के ट्रेलर लांच इवेंट पर शबाना आजमी की अदाओं ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। सीरीज को

लेकर उन्होंने बताया कि उनकी बहू शिबानी ने उन्हें इस फिल्म में काम करने का हुक्म दिया।एक्सेल एंटरटेनमेंट की नई सीरीज 'डब्बा कार्टेल' के ट्रेलर लांच इवेंट पर शबाना आजमी की अदाओं ने लोगों का खूब मनोरंजन किया। महबूब स्टूडियो में इस कार्यक्रम का आयोजन शानदार तरीके से हुआ। लोगों में काफी उत्साह रहा लेकिन, आदतन प्रोग्राम अपने समय से ही शुरू हुआ। जनता बेसब्री से ट्रेलर का इंतजार करी दिखी। महबूब स्टूडियो में जब बारी इस ट्रेलर लॉन्च की आई तो मामला बहुत ही रोचक हो गया है। आहिस्ता आहिस्ता किरदारों पर से परदा हटा और जब बारी शबाना आजमी की आई तो फिर तो माहौल बदलना ही थी।इवेंट में मीडिया के साथ सवाल जवाब के समय शबाना आज़मी ये कहा कि इस सीरीज की पूरी कास्टिंग घर का मामला था। शिबानी अख्तर ने क्रिएट किया ये प्रोजेक्ट और मुझे हुक्म दिया, एक्टिंग करने के लिए। बहू को कैसे मना कर सकती थी और बेटा तो प्रोड्यूसर ही है। साथ ही उन्होंने एक कन्फेशन ये भी किया की जब इस सीरीज की कास्टिंग चल रही थी तो वह नहीं चाहती थीं कि अभिनेत्री ज्योतिका को इसमें कास्ट किया जाए। इवेंट के दौरान ही शबाना आजमी ने इसके लिए ज्योतिका से माफी भी मांगी और कहा कि अच्छा हुआ शिबानी ने उनकी नहीं सुनी और दोनों ने साथ काम किया।सीरीज के निर्देशक हितेश भाटिया ने इस मौके पर बताया कि शुरू में तो वह काफी परेशान थे लेकिन जब सारे लोग साथ आ गए तो उनकी घबराहट भरोसे में बदल गई। ज्योतिका के मुताबिक उन्हें ये प्रोजेक्ट इसलिए काफी पसंद आया क्योंकि इसमें महिलाओं की अहम भूमिका है। वह कहती हैं, ठइस सीरीज में सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि पूरी टीम में भी महिलाओं की बहुत भागीदारी रही। हमारे क्रू में लगभग 60-70ज्ञ् महिलाएं थीं, जो हर विभाग में शानदार काम कर रही थीं। यह देखकर बहुत गर्व महसूस हुआ।अभिनेता आदर्श रावल के साथ फिल्म 'बमफाड़' से हिंदी सिनेमा में अपना करियर शुरू करने वाली साउथ सिनेमा की अभिनेत्री शालिनी पांडे ने भी ज्योतिका की बात का समर्थन किया और कहा कि यह शो महिलाओं के दम पर आगे बढ़ा है।

सोहा अली खान को हर साल मिलते थे 50 रुपये

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। अभिनेत्री सोहा अली खान ने अपने बचपन और माता-पिता से मिली परवरिश को लेकर बात की है। उन्होने बताया कि उनका बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उन्हें हमेशा जमीन से जुड़ा रखा गया।बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने अपने माता-पिता और उनसे मिली परवरिश को लेकर बात की है। सोहा ने बताया कि वे भले ही बहुत पैसे वाले थे, लेकिन उनके माता-पिता ने हमेशा उन्हें जमीन से जुड़ा रखा। सोहा ने कहा कि उनके पिता मंसूर अली खान पटौदी हमेशा ऐसे दिखाते थे, जैसे परिवार में आर्थिक रूप से कुछ परेशानी चल रही है। वे हमेशा पेट्रोल और बिजली के दामों को लेकर सोचते रहते थे। क्विजिटोक पॉडकास्ट से बात करते हुए सोहा अली खान ने कहा, उनका बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके माता-पिता ने ये सुनिश्चित किया कि हम सभी भाई-बहन पैसों की कीमत को समझें। वे हमेशा लाइट बंद करने का ध्यान रखते थे। सोहा अली खान ने बताया कि उनके घर में एक ही टेलीफोन था। सोहा ने बातचीत में बताया कि उस एक फोन से बात करा भी मुश्किल होता था। अक्सर बहन सबा फोन लेकर एक कमरे में बैठ जाती थीं। उन्होंने कहा कि पापा दिनभर फोन के पास बैठे रहते थे। रात में वे फोन पर ताला लगा देते थे, इससे हम किसी को फोन नहीं लगा सकते थे।सोहा अली खान ने बताया कि उन्हें हर साल 50 रुपये मिलते थे। सोहा ने कहा कि उनके पिता ने उनसे कहा कि अभी 500 रुपये ले लो या हर साल 50 रुपये लेना। इस तरह सोहा ने अपने पिता से रुपयों की बचत करना सीखा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।